आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में धराली गाँव में बादल फटने के बाद आई तबाही से पूरा धराली गाँव शमशान बन गया है।

हर्षिल में सेना के 11 जवान लापता

मलबे में जिंदगी की तलाश

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में आई प्राकृति आपदा के बाद धराली गाँव में हर जगह तबाही नजर आ रही है। बादल फटने के बाद धराली के खीर गंगा में बाढ़ आ गई थी। इस वजह से पानी के साथ पहाड़ों से अचानक नीचे आए मलबे ने पहाड़ों की गोद में बसे शहर और गांवों को पूरी तरह से ढक लिया। इस भयंकर तबाही से काफी जानमाल की क्षति हुई है। कई लोग लापता हो गए हैं और सैकड़ों मकान ध्वस्त हो गए या मलबे से ढक गए। मलबे में जिंगदी की तलाश के लिए एनडीआरएफ, आईटीबीपी और सेना के जवान जुटे हुए हैं।

बादल फटने के बाद पहाड़ पर आई बाढ़ ने नीचे भयंकर तबाही ला दी। रास्ते में जो कुछ आया उसे पानी का बहाव अपने साथ लेता चला गया। इस वजह से नीचे आबादी वाले इलाके में सड़क, घर, बिल्डिंग, दुकान, हर जगह कीचड़ और गाद भर गया। अब तक धराली में 4 लोगों की (शेष पृष्ठ-3 पर)

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

सेना, आईटीबीपी और NDRF की टीम यहां राहत कार्यों में लगी हुई है। लोगों को नदी से दूर रहने की चेतावनी दी गई है। हेलीकॉप्ट द्वारा यहां रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। क्योंकि सड़क मार्ग से यहां तक पहुंचने में काफी दिक्कतें सामने आ रही है। कई जगह हाईवे और अन्य सड़कें अवरुद्ध हो चुकी हैं। हाईवे को खोलने का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसके अलावा उत्तरकाशी को गंगोत्री-हर्षिल से जोड़ने वाली एक सड़क पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। सड़कों पर बड़ी-बड़ी दरार आ गई हैं, तो कई जगह पूरी सड़क ही नीचे धंस चुकी है।

खराब मौसम से मुश्किल

राहत बचाव कार्य में सबसे बड़ी दिक्कत वहां का खराब मौसम और परिवहन का अवरुद्ध होना है। क्योंकि कई जगह हाईवे और दूसरी सड़के बर्बाद हो चुकी है। ऐसे में प्रभावित जगह पहुंचकर लोगों तक मदद पहुंचाने में काफी मुश्किलें आ रही है। फिर भी लापता लोगों को खोजने का काम और सड़कों को ठीक करने का काम चल रहा है। उत्तरकाशी जाने वाली हाईवे पर वाहनों की कतार लगी हुई है। क्योंकि बादल फटने के बाद कई जगह हाईवे टूट-फूट चुकी है. इस वजह से धराली या हर्षिल तक सड़क मार्ग से पहुंचना अभी मुश्किल हो रहा है। उत्तरकाशी में अभी भी तेज बारिश हो रही है। इस वजह से राहत-बचाव कार्य में मुश्किलें आ रही हैं। धराली पहुंचने तक तीन जगह पर राष्ट्रीय राजमार्ग बह गया. दो जगह पर राजमार्ग को फिर से खोलने की तैयारी है। धराली के पास भागीरथी नदी पर बना पुल पूरी तरह बह गया है।

हर्षिल हैलीपैड पानी में डूबा

उत्तराखंड सिविल एविएशन अथॉरिटी के सीईओ आशीष चौहान ने बाताय कि हमारे चार से पांच चॉपर तैयार है. जैसे ही मौसम साफ होगा, हम रेस्क्यू ऑपरेशन को आगे बढ़ाएंगे।

पुष्कर सिंह धामी उत्तरकाशी पहुंचे

धराली हादसे के बाद बुधवार को स्थिति का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तरकाशी पहुंच गए हैं। धामी ने बताया कि अब तक 130 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। उन्होंने रवाना होने से पहले सोशल मीडिया पोस्ट कर बताया कि उत्तरकाशी के आपदा प्रभावित धराली क्षेत्र के निरीक्षण के लिए रवाना हो रहा हूं. राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। प्रभावितों को शीघ्र एवं समुचित सहायता पहुंचाने के लिए हम पूर्ण सतर्कता एवं तत्परता के साथ कार्यरत हैं।

नौ जिलों में स्कूल बंद

उत्तराखंड में भारी बारिश के रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट के बीच प्रदेश के 9 जनपदों में छुट्टी का आदेश जारी किया गया है। देहरादून, नैनीताल, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग, चंपावत, पौढ़ी, अल्मोड़ा और बागेश्वर जनपद में आज स्कूलों की छुट्टी रहेगी। आदेश के मुताबिक, कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी शैक्षणिक संस्थानों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी छुट्टी का ऐलान किया गया है।

लालच में फंसा दुकानदार गंवाए लाखों

नोएडा (चेतना मंच)। बुजुर्गों की कहावत है कि लालच बहुत बुरी बला है। लालच में आकर इंसान अपनी गाढ़ी कमाई तक को गंवा देता है। ऐसा ही एक मामला नोएडा के सलारपुर गांव में प्रकाश में आया है ,यहां रुपए दोगुने करने के लालच में एक दुकानदार ने अपनी मेहनत की कमाई के लाखों रुपए गंवा दिए। जालसाज रुपए दोगुना करने का झांसा देकर दुकानदार से 5,60000 रुपए लेकर चंपत हो गए। ठगे जाने पर दुकानदार ने थाना फेस-2 में दो लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। सलारपुर गांव में रहने वाले पुरुषोत्तम कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह गांव में ही परचून की दुकान चलाता है। उसकी दुकान पर अक्सर (शेष पृष्ठ-3 पर)

औद्योगिक संपत्तियों का बढ़ाया जाएगा एफएआर!

नियोजन विभाग ने शुरू की कवायद
बोर्ड बैठक में पेश होगा एजेंडा

नौएडा एक उत्कृष्ट क्षेत्र

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण अब औद्योगिक संपत्तियों का एफएआर बढ़ाने पर विचार कर रहा है। इसके लिए प्राधिकरण का नियोजन विभाग इसकी तैयारी कर रहा है। क्योंकि एफएआर बढ़ने के साथ ही इंडस्ट्री का दायर बढ़ेगा। ऐसे में वहां पार्किंग, सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान देना होगा। किन सेक्टरों में एफएआर को बढ़ाया जा सकता है। इसका सर्वे किया जा रहा है।

सीईओ लोकेश एम ने बताया कि एफएआर बढ़ने से कारोबारियो को फायदा होगा। वो अपनी इंडस्ट्री का विस्तार कर सकेंगे। एफएआर कितना बढ़ा सकते है बॉयलॉज के अनुसार इसका अध्यन किया जा रहा है। नोएडा में वर्तमान में 1 हजार वर्ग मीटर तक के इंडस्ट्रियल प्लाट का एफएआर 1.5 है। वहीं 1000 से 12 हजार वर्ग मीटर तक इंडस्ट्रियल प्लाट का एफएआर 1.3 है। इसी प्रकार फ्लैटेड इंडस्ट्री के लिए एफएआर 1.4। इसके अलावा आईटी सेक्टर में एफएआर 2.5 है।

प्राधिकरण ने बताया कि इंडस्ट्रियल सेक्टरों (शेष पृष्ठ-3 पर)

सदरपुर में पंकज सिंह ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। गाँव-गाँव जनसंवाद अभियान के तहत आज फिर नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने सेक्टर-45 स्थित सदरपुर गाँव का दौरा किया। यहां पर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा उन्हें समाधान के प्रति आश्वस्त किया।

इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अमित त्यागी तथा सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे। इसके अलावा नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (सिविल एवं जनस्वास्थ्य) एसपी सिंह, महाप्रबंधक (जल एवं विद्युत यांत्रिकी) आर.पी. सिंह के अलावा उद्यान विभाग, जनस्वास्थ्य तथा अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे। इसके बाद विधायक बरौला तथा आगाहपुर का दौरा करेंगे।

इंटरनेशनल साइबर ठगी में ईडी की रेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार सुबह ईडी ने दिल्ली-एनसीआर और उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में 11 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। साइबर ठगों ने खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर कई विदेशी और भारतीय नागरिकों को ठगा था। यह छापे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच का हिस्सा हैं। ईडी ने बुधवार सुबह दिल्ली के अलावा नोएडा और गुरुग्राम में भी छापे मारे।

प्रारंभिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि भारतीय और विदेशी नागरिकों से ठगों ने पुलिस या जांच एजेंसियों के अधिकारी बनकर धोखाधड़ी की। इन लोगों को गिरफ्तार करने की धमकी देकर उनसे बड़ी धनराशि वसूली गई। इसके अलावा, आरोपी खुद को माइक्रोसॉफ्ट या अमेजन की तकनीकी सहायता टीम का सदस्य बताकर भी लोगों को झांसे में लेते थे और उनसे ठगी करते थे।

पीड़ितों की धनराशि को क्रिप्टोकरेंसी में बदला गया और फिर आरोपियों के पास ट्रांसफर किया गया। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने इस प्रकार से करीब 260 करोड़ रुपए की रकम बिटकॉइन के रूप में अलग-अलग क्रिप्टो वॉलेट्स में जमा की थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

बिल्डर्स पर बकाये की वसूली को प्राधिकरण हुआ सक्रिय

ईडी तथा सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट को लिखा पत्र

नोएडा (चेतना मंच)। बिल्डर्स पर बकाया हजारों करोड़ रूपये की वसूली के लिए नोएडा प्राधिकरण सक्रिय हो गया है। नोएडा प्राधिकरण ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तथा अदालतों को भी इस संबंध में पत्र लिखा हैद्ध जिससे सुप्रीम कोर्ट तथा हाईकोर्ट भी शामिल है।

बकाये को लेने के लिए प्राधिकरण अलग-अलग स्तर पर काम कर रहा है। बकाया लेने के लिए प्राधिकरण अधिकारी बिल्डरों के साथ समय-समय पर बैठक करने के अलावा नोटिस भेजने व आरसी जारी करने की कार्रवाई भी कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों में ईडी ने गड़बड़ी पकड़े जाने पर नोएडा से जुड़े बिल्डरों की जिले, एनसीआर या देश के अन्य हिस्से में स्थित संपत्ति को अटैच किया है। इनमें से काफी बिल्डर नोएडा प्राधिकरण के बकायेदार हैं।

ऐसे में अब बकाया लेने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने न्यायालय से गुहार लगाई है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम ने बताया कि उच्च व उच्चतम न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए ईडी की तरफ से बिल्डरों की अटैच संपत्ति को बेच प्राधिकरण का बकाया दिलवाने का आग्रह किया है। इसके अलावा ईडी को पत्र लिखकर बकाया दिलवाने के लिए कहा गया है।

हथियार के साथ बदमाश पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम मोरना चौकी क्षेत्र में गश्त पर थी। पुलिस टीम जब सेक्टर-33ए स्थित एआरटीओ कार्यालय के पास पहुंची तो गंदे नाले पर खड़ा एक युवक पुलिस को देखकर सकपका कर जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने उसे हिरासत में लेकर तलाशी ली। तलाशी में उसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में बदमाश ने अपना नाम विपिन वाल्मीकि पुत्र कमल निवासी ग्राम मोरना बताया। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज न्यायालय में पेश किया गया है।

मेट्रो स्टेशन पर जेब से निकाला आईफोन

नोएडा (चेतना मंच)। मेट्रो स्टेशनों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद भी पर्स व मोबाइल चोरी की घटनाएं आए दिन हो रही है। मेट्रो स्टेशनों पर तैनात भारी सुरक्षा बलों का भी बदमाशों को कोई खौफ नहीं है। सेक्टर-52 के मेट्रो स्टेशन पर चोरों ने मेट्रो से उतर रहे एक व्यक्ति की जेब से आईफोन-14 मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पीड़ित ने थाना सेक्टर-49 में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की निराला स्टेट सोसाइटी में रहने वाले शिखर तुर्की ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 30 जुलाई की शाम को सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो से उतर रहा था। इस दौरान किसी व्यक्ति ने उसकी जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। मोबाइल चोरी होने की जानकारी मिलने पर उसने अपने फोन की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

वोडा महादेव यूनीटेक के बीच

सड़क की चौड़ाई घटाने पर आरडब्ल्यूए ने जताया रोष

- **11 आरडब्ल्यूए ने सीईओ डॉ. लोकेश एम से की शिकायत**

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-46, 47, 48, 99 तथा 100 वोडा महादेव एवं यूनीटेक के मध्य 200 मीटर लम्बी प्रस्तावित सड़क की चौड़ाई 45 मीटर के बजाय 21 मीटर करने पर कई सेक्टरों के लोगों में आक्रोश है। उन्होंने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम को पत्र लिखकर 45 मीटर चौड़ी सड़क बनाने की मांग की है।

सेक्टर-47 आरडब्ल्यूए के महासचिव अनूप राय, सेक्टर-48 के अध्यक्ष पवन गोयल, सेक्टर-99 एलआईजी आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष नरोत्तम शर्मा, सेक्टर-46 ग्रीन एवेन्यू के अध्यक्ष सतीश अवाना, महासचिव गिरिराज सिंह, सेक्टर-46 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष विजय राणा, महासचिव संजय अवाना, सेक्टर-99 एचआईजी के अध्यक्ष अमित यादव, सेक्टर-99 के अध्यक्ष ऋषिपाल अवाना, सेक्टर-100 के अध्यक्ष प्रमोद अवाना तथा महासचिव सेक्टर-99 एचआईजी एसोसिएशन के महासचिव सुभाष प्रियदर्शी ने सीईओ से शिकायत की है।

उक्त लोगों का कहना है कि मास्टर प्लान 2031 में इस सड़क की चौड़ाई 45 मीटर प्रस्तावित है। इस सड़क के आगे तथा पीछे की चौड़ाई 45 मीटर है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

गोल्फ कोर्स बनाने वाली कंपनी को काली सूची में डाला, नोटिस जारी

- **जून 2025 तक पूरा करना था इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स का निर्माण**

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-151ए में नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स का निर्माण कर रही कंपनी को दो साल के लिए ब्लैक लिस्ट किया गया है। साथ ही उसकी जमा की गई धरोहर राशि को भी जमा कर लिया गया है। इससे संबंधित एक नोटिस कंपनी को जारी कर दिया गया है। गोल्फ कोर्स में अब भी 38 करोड़ का काम बचा है। इसे पूरा करने के लिए दूसरी कंपनी का चयन किया जाएगा। जिसके लिए टेंडर जारी किया जा रहा है।

प्राधिकरण ने बताया कि इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स के निर्माण के लिए 1 जुलाई 2021 को कंपनी कश्यपी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट किया गया। जिसका काम 30 जून 2022 तक पूरा होना था। कार्यस्थल पर कई बाधाओं के कारण समय-समय पर सक्षम स्तर से निर्माण कार्य पूरा करने के लिए टाइम एक्सटेंशन दिया गया। साथ ही 30 जून 2025 तक काम पूरा करने की नई डेड लाइन तय की गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

113 एकड़ में बन रहा गोल्फ कोस

- 94.369 एकड़ में गोल्फ एरिया
- 6.895 एकड़ में क्लब और पार्किंग एरिया
- 7.910 एकड़ में ड्राइविंग रेंज एरिया
- 4.702 एकड़ में एनटी लाइन एरिया
- 9.289 एकड़ में हेलीपोर्ट
- 4.614 एकड़ में हेलीपोर्ट एप्रोच रोड एरिया बनाया जा रहा है।

मनचले ने जीना किया दूभर

नोएडा (चेतना मंच)। मनचले युवक द्वारा लगातार पीछा करने व रास्ते में जबरन रोकने से परेशान युवती ने थाना सेक्टर-126 में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि मनचले युवक ने उसका जीना दूभर कर रखा है। युवक की हरकतों से उसका घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। रेशमा (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह पिछले 2 वर्षों से बख्तावरपुर गांव में किराए पर रह रही है। पड़ोस में रहने वाला (शेष पृष्ठ-3 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

ट्रंप की दादागीरी

ट्रंप की टैरिफ दादागीरी और तमाम देशों के आर्थिक संरक्षणवाद से भारत के लिए उभरी आर्थिक चुनौतियों के बीच स्वदेशी का मंत्र ही एक कारगर विकल्प सिद्ध हो सकता है। वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा। ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने-अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर अन्यायपूर्ण ढंग से लगाया गया 25 फीसदी का टैरिफ इस कड़ी का ही विस्तार है। ऐसे वक्त में जब भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो हमें घरेलू अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य सुधारने को अपनी प्राथमिकता बनाना ही होगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि स्वदेशी का संकल्प देश की वर्तमान जरूरत है, लेकिन देश के उद्यमियों को भी सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी वस्तुओं का विकल्प गुणवत्तापूर्ण हो। आज के उपभोक्तावादी युग में लोग गुणवत्ता से समझौता करने को तैयार नहीं होते। उद्यमियों को सोचना होगा कि कैसे चीन के उद्यमी कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार को भी उद्योग व व्यापार जगत पर नौकरशाही के शिकंजे को कम करना होगा। उत्पादन क्षेत्र को हमें उस स्तर तक ले जाने के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा, जहां गुणवत्तापूर्ण सस्ते उत्पाद तैयार किए जा सकें। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्याम और गौर शरीर वाली दोनों सुंदर जोड़ियों की शोभा को देखकर माताएँ तृण तोड़ती हैं (जिसमें दीठ न लग जाए)। यों तो चारों ही पुत्र शील, रूप और गुण के धाम हैं, तो भी सुख के समुद्र श्री रामचन्द्रजी सबसे अधिक हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

हृदयँ अनुग्रह इंदु प्रकासा। सूचत किरन मनोहर हासा॥
कबहुँ उछंग कबहुँ बर पलना। मातु दुलारइ कहि प्रिय ललना॥

उनके हृदय में कृपा रूपी चन्द्रमा प्रकाशित है। उनकी मन को हरने वाली हँसी उस (कृपा रूपी चन्द्रमा) की किरणों को सूचित करती है। कभी गोद में (लेकर) और कभी उत्तम पालने में (लिटाकर) माता प्यारे ललना! कहकर दुलार करती है॥

दो0-ब्यापक ब्रह्म निरंजन निर्गुन बिगत बिनोद।
सो अज प्रेम भगति बस कौसल्या कें गोद॥

जो सर्वव्यापक, निरंजन (मायारहित), निर्गुण, विनोदरहित और अजन्मे ब्रह्म हैं, वही प्रेम और भक्ति के वश कौसल्याजी की गोद में (खेल रहे) हैं॥

काम कोटि छबि स्याम सरीरा। नील कंज बारिद गंभीरा॥
नअरुन चरन पंकज नख जोती। कमल दलन्हि बैठे जनु मोती॥

उनके नीलकमल और गंभीर (जल से भरे हुए) मेघ के समान श्याम शरीर में करोड़ों कामदेवों की शोभा है। लाल-लाल चरण कमलों के नखों की (शुभ्र) ज्योति ऐसी मालूम होती है जैसे (लाल) कमल के पत्तों पर मोती स्थिर हो गए हों॥

(क्रमशः...)

ट्रंप की धमकी पर भारी पड़ेगी मोदी की कूटनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक जटिल कूटनीतिक और राजनीतिक परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ाने और दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारत-रूस ऊर्जा साझेदारी को मजबूती से बनाए रखना चाहते हैं। इसके पीछे सिर्फ आर्थिक कारण नहीं, बल्कि एक व्यापक भू-राजनीतिक संदेश भी है कि पश्चिम के सामने झुकने का युग अब समाप्त हो चुका है।

देखा जाये तो मोदी सरकार वैश्विक मंचों पर ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बनकर उभरी है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और नैतिक उपदेशों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की नीति अपनाई। यह वही रणनीतिक स्वायत्तता है, जिसकी बात भारत दशकों से करता आया है, पर जिसे आज व्यवहार में लाने का साहस शायद पहली बार किसी सरकार ने इस हद तक दिखाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। माई फ्रेंड डोनाल्ड जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं। कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि अगर अमेरिका से घनिष्ठता इतनी ही प्रभावशाली थी, तो भारत को टैरिफ धमकी क्यों झेलनी पड़ रही है? देखा जाये तो यह आलोचना राजनीतिक रूप से स्वाभाविक है, पर इसमें कूटनीतिक यथार्थ की गहराई को नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत आज आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से एक उभरती शक्ति है और ऐसे में विश्व के साथ उसकी मोल-भाव करने की शैली भी बदली है। मोदी जिस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह न केवल अपने हितों की रक्षा करना जानता है, बल्कि विकल्पों का निर्माण भी कर रहा है—जैसे BRICS+ का मंच, ऊर्जा विविधता की दिशा में कदम और नए व्यापारिक सहयोग।

इसके अलावा, मोदी है तो मुमकिन है सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इस समय एक परीक्षण की कसौटी बन चुका है। प्रधानमंत्री को अब यह साबित करना है कि वह पश्चिम के दबाव को संतुलित करते हुए, रूस से रिश्ते बनाए रखते हुए

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। माई फ्रेंड डोनाल्ड जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं।

और विपक्ष की आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेता के रूप में उभार सकते हैं। देखा जाये तो इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मोदी को तीन स्तरों पर निर्णायक पहल करनी होगी- **1.** अमेरिका के साथ संवाद बनाए रखते हुए, ट्रेड वार को टालना होगा और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की स्पष्ट पैरवी करनी होगी। **2.** घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा ताकि आयात और शुल्क जैसे हथियारों का असर सीमित हो और ऊर्जा आपूर्ति में विविधता भी लानी होगी। **3.** आंतरिक एकता और विपक्ष के प्रहारों का उत्तर तथ्यों और नीतिगत पारदर्शिता से देना होगा, ताकि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि दिखाई दे।

देखा जाये तो यह वह घड़ी है जब प्रधानमंत्री मोदी को नेतृत्व के अपने सबसे कठिन अध्याय में प्रवेश करना पड़ा है। लेकिन यदि वे इस दौर को सफलता से पार कर जाते हैं, तो यह केवल उनकी नहीं, बल्कि एक नए भारत की विजय होगी— जो दबाव में नहीं झुकता, हितों की रक्षा करता है और दुनिया को सम्मान के साथ संवाद करना सिखाता है। और तब शायद 'मोदी है तो मुमकिन है' सिर्फ चुनावी नारा नहीं, अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यथार्थ भी बन जाएगा।

जहां तक ताजा घटनाक्रमों की बात है तो आपको बता दें कि भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिका और यूरोपीय संघ की आलोचना को सख्ती से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किये गए वक्तव्य में साफ तौर पर कहा गया है कि रूस से आयात ऊर्जा की कीमतों में स्थिरता को बनाये रखने के लिए उठाया गया कदम है। विदेश मंत्रालय ने यह भी उजागर किया है कि अमेरिका और यूरोप स्वयं अभी भी रूस से उर्वरक, खनिज, रसायन, यूरेनियम और एलएनजी जैसी सामग्रियों का भारी व्यापार कर रहे हैं। भारत का यह तर्क एकदम सही है कि जब तक अमेरिका और यूरोपीय संघ स्वयं रूस के साथ व्यापार संबंध समाप्त नहीं करते, तब तक भारत को नैतिकता के कठघरे में खड़ा करना न केवल दोहरा मापदंड है, बल्कि 'अनुचित और अविवेकपूर्ण' भी।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने और रूसी तेल की खरीद पर दंडात्मक कार्रवाई की धमकी को विशेषज्ञ अमेरिका की घरेलू राजनीति और आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे ऊँचे दामों में बेचकर लाभ कमा रहा है, साथ ही यूक्रेन युद्ध में नैतिक दृष्टिकोण नहीं अपना रहा। किंतु यह आरोप राजनीतिक बयानबाज़ी अधिक लगता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में पुन: बिक्री और रिफाइनिंग एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसे कई देश अपनाते हैं। देखा जाये तो ट्रंप द्वारा शुल्क बढ़ाने की घोषणा एक तरफ भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को प्रभावित करने का प्रयास है, तो दूसरी ओर इसे अमेरिका के कृषि और डेयरी उद्योग के समर्थन में लॉबिंग के रूप में भी देखा जा सकता है।

वहीं, रूस ने इस पूरे घटनाक्रम को अमेरिका की 'नव-उपनिवेशवादी' नीति का उदाहरण बताया है। क्रेमलिन का यह दावा कि अमेरिका अपने प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ पर आर्थिक दबाव बना रहा है, इस बात की पुष्टि करता है कि रूस अमेरिका की एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती देना चाहता है।

बहरहाल, भारत जिस रणनीतिक स्वायत्तता की बात करता आया है, उसका असली परीक्षण ऐसे ही समय में होता है जब उसे पश्चिमी दबावों, वैश्विक व्यापारिक हितों और घरेलू राजनीतिक आलोचनाओं के बीच संतुलन साधना हो। अमेरिका और यूरोपीय देशों को समझना होगा कि रूस से तेल खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भारत की एक आत्मनिर्भर और व्यावहारिक विदेश नीति का प्रतीक भी है।

-नीरज कुमार दुबे

ध्वस्त हुआ एक और झूठा नैरेटिव

भारत में स्वार्थी राजनीति का खेल यूँ तो बहुत पुराना है, लेकिन ऐसी राजनीति जनमानस को केवल भ्रमित करने का काम ही करती है। यह भी सत्य है कि इसका प्रभाव लम्बे समय तक नहीं रहता। राजनीति सच की होना चाहिए, न कि झूंठ की। लेकिन आज विसंगति यह है कि राजनीतिक दल केवल अपने लिए ही राजनीति करते हैं, देश के लिए नहीं। आज राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करने तक सीमित हो गया है। ऐसी ही राजनीति के माध्यम से हिन्दू आतंकवाद की थ्योरी स्थापित करने का खेल खेला गया। अब इस षड्यंत्र की परतें भी उधड़ने लगी हैं। जिसके फलस्वरूप फेक नैरेटिव का पर्दाफास हो गया।

भारत क्या है और उसकी विरासत क्या है? इसके मूल में जो प्रमाण मिलते वे उसका एक दर्शन है। यह दर्शन मात्र कुछ वर्षों का कार्य नहीं, बल्कि एक लम्बी साधना के बाद निकला है। जो भारतीय समाज के लिए एक प्रेरणीय पाथेय है। लेकिन लम्बे समय से इस आदर्श विरासत को मिटाने का कुचक्र भी चल रहा है। हम यह भली भांति जानते हैं कि जब जब भारतीय समाज विघटित हुआ है, तब भारत को कमजोर करने के सुनियोजित प्रयास भी किए। देश विघातक शक्तियों ने भारत के समाज में फूट डालकर अपने मंसूबों को सफल किया। ऐसे प्रयास आज भी हो रहे हैं। मूल समस्या पर किसी प्रकार का कोई चिंतन नहीं हो रहा है, और न ही उस दिशा में कोई प्रयास ही हो रहा है।

अभी अभी न्यायालय ने मालेगाँव विस्फोट मामले में एक ऐतिहासिक निर्णय दिया है। जिसमें हिन्दू आतंकवाद के नैरेटिव को ध्वस्त किया गया। इस नैरेटिव की भूमिका पूरी तरह से आधारहीन ही थी। न्यायालय के निर्णय से यह ज्ञात हुआ कि इसमें जिनको आरोपी बनाया गया, उनके विरोध में पर्याप्त प्रमाण नहीं थे, ज़ब प्रमाण ही नहीं थे, तब इस मामले में गिरफ्तार करने की जल्दबाजी किसके संकेत पर की गई। यह बहुत बड़ा षड़यंत्र ही था, जिसकी कलई धीरे धीरे खुलने लगी हैं। एक पूर्व अधिकारी का बयान इसकी पुष्टि करने के लिए पर्याप्त माना जा सकता है। हिन्दू समाज को बदनाम करने का यह षड्यंत्र केवल एक वर्ग को खुश करने प्रयास मात्र ही था। राजनीतिक दलों को हमेशा अपने स्वार्थ के लिए ही राजनीति नहीं करना चाहिए। राजनीति मात्र देश को शक्तिशाली और समाज को संगठित करने के लिए होना चाहिए। यहां एक सवाल खड़ा करना मुझे बहुत आवश्यक लग रहा है। क्या देश के लिए काम करने की जिम्मेदारी केवल सरकार की ही होती है? विपक्ष और समाज की भी होती है। अगर सभी एक भाव से समाज को एक करने का कार्य करें तो भारत का सूर्य केवल भारत को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को आलोकित करेगा, यह तय है।

मालेगाँव विस्फोट मामले में षड्यंत्र की बुनियाद किसने की, इस सवाल का उत्तर पहले से वातावरण में तैर रहा था। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने हिन्दू आतंकवाद की झूठी कहानी की पटकथा तैयार की। अब सवाल यह उठता है कि रामराज्य की संकल्पना को ज़मीन पर उतारने का सपना देखने वाले महात्मा गांधी के नाम पर राजनीति करने वाली कांग्रेस के सामने ऐसी क्या मजबूरी थी कि उसने हिन्दू आतंकवाद का प्रपंच रचा। इसका पहला कारण तो यही समझ में आता है कि यह सब एक विशेष वर्ग को खुश करने का प्रयास मात्र ही था। कांग्रेस की ऐसी राजनीति करने वाले एक प्रकार से कांग्रेस को ही कमजोर करने का काम कर रहे हैं। हमें यह भी याद होगा कि एक बार कांग्रेस की सरकार के समय भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारने का प्रयास किया गया। उस समय हिन्दू समाज की जाग्रति के समक्ष कांग्रेस को झुकना पड़ा और सरकारी स्तर पर किए गए प्रयास पर पूरी तरह से पानी फिर गया।

मालेगाँव विस्फोट मामले में भी ऐसा ही प्रयास किया गया। इसका एक कारण कांग्रेस की वह मानसिकता है, जिसके तहत कांग्रेस को नेतृत्व देने वाले राजनेता केवल यही सोचते हैं कि हम तो सरकार चलाने के लिए ही बने हैं। आज भी कांग्रेस के नेता इसी भावना के साथ विचार रखते हैं। उन्हें यह लगता ही नहीं है कि देश में अब कांग्रेस की सरकार नहीं है और देश में राजनीतिक परिवर्तन हो चुका है। कांग्रेस को यह आत्म मंथन करना चाहिए कि देश की जनता क्या चाहती है। क्योंकि जनता ने ही कांग्रेस को सता से बेदखल किया है। भारत का लोकतंत्र यही कहता है कि देश में जनता का शासन है। जनता का शासन मतलब किसी दल की सरकार नहीं, वह जनता की सरकार है, लेकिन हमारे राजनीतिक दल इसको राजनीतिक दल की सरकार मानकर व्यवहार करते हैं। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि जब जनता की सरकार है, तब सरकार का विरोध करने का अर्थ जनता का ही विरोध है। आज जनता इतनी समझदार हो चुकी है कि उसे पल पल की जानकारी है, इसलिए कुछ समय के भ्रमित किया जा सकता है, लेकिन भ्रम से जब परदा उठता है तो इसके पीछे एक षड्यंत्र का खेल दिखाई देता है। मालेगांव मामले में कुछ बयानों को आधार बनाया जाए तो यही कहा जा सकता है कि इसमें और भी प्रभावी व्यक्तियों को फंसाने की तैयारी भी हो रही थी, इसकी भूमिका भी बन चुकी थी, लेकिन कांग्रेस का यह सपना इसलिए पूरा नहीं हो सका, क्योंकि जिनको आरोपी बनाया गया उन्होंने प्रताड़ना सहने के बाद भी उनके मन मुताबिक बयान नहीं दिए। यहां एक और बात का उल्लेख करना बहुत आवश्यक हो जाता है कि कांग्रेस के नेता असली आतंकवाद पर बोलने से हमेशा किनारा करते हैं। इतना ही नहीं कभी कभी तो कांग्रेस के नेता आतंकियों के समर्थन में सम्मान पूर्वक बात करते हैं। इनको केवल सनातन से चिड़ है। आज जब सनातन अपने उभार पर है, तब इनकी चिंता और ज्यादा बढ़ रही है।

भारत में राजनीति की दशा और दिशा क्या होना चाहिए, यह तय करने का समय आ गया है। कांग्रेस को इस सत्य को स्वीकार करना चाहिए। दूसरी बात यह है कि भारत को भारत के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। जहाँ समाज में भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि भारत में जितने भी धर्म और संप्रदाय के व्यक्ति रहते हैं, वे सभी पहले भारतीय हैं, जाति धर्म बाद की बातें हैं। इसलिए राजनीति समाज को एक सूत्र में बाँधने की होना चाहिए, विभाजन की नहीं। **- सुरेश हिंदुस्तानी**
वरिष्ठ पत्रकार

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, द्वादशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम और संतान की स्थिति पहले से बहुत बेहतर।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। प्रेमी प्रेमिका की मुलाकात होगी। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय। लिखने, पढ़ने में समय व्यतीत करें। भावनाओं पर काबू रखें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
गृह कलह के संकेत हैं। थोड़ा सा ध्यान देने की आवश्यकता होगी। भूमि भवन वाहन की खरीदारी का योग बनेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
पराक्रम रंग लाएगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। एक व्यावसायिक ऊर्जा आप में बनी रहेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसे न लगाएं अभी नुकसान का समय है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में होंगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन चिंतित रहेगा। घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी। सिर दर्द और नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम, संतान, व्यापार अच्छा रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। पुराने स्त्रोत से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा। अच्छे समाचार की प्राप्ति होगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। राजनीतिक स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज के नए बैच के छात्रों का ओरिएंटेशन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज में 14वें मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी (एमडीएस) बैच के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया। इसका उद्देश्य नए विद्यार्थियों को कॉलेज की शैक्षणिक संरचना, नीतियों और अत्याधुनिक सुविधाओं से परिचित कराया गया, साथ ही दंत चिकित्सा क्षेत्र में उनके भविष्य के अध्ययन और विशेषज्ञता के बारे में जानकारी प्रदान की। छात्रों और अभिभावकों को स्कूल के पाठ्यक्रम, नियमों, शिक्षण विधियों और सह-शैक्षणिक गतिविधियों से परिचित कराया।

स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज के ऑफिसिएटिंग डीन डॉ हेमंत साहनी ने कहा कि स्नातकोत्तर छात्रों के लिए निरंतर सीखने और कौशल विकास के महत्व पर ज़ोर दिया। इस सत्र के दौरान, छात्रों को एमडीएस कार्यक्रम संरचना से परिचित कराया गया, जिसमें शैक्षणिक उद्देश्यों, नैदानिक प्रशिक्षण और अनुसंधान के अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया। अगले सत्र में कॉलेज की नीतियों, जैसे उपस्थिति, परीक्षा संबंधी आवश्यकताएं और रैगिंग विरोधी उपायों पर चर्चा की गई, जिससे सभी के लिए एक सहायक शिक्षण वातावरण सुनिश्चित हुआ। छात्रों को संस्थान के नैदानिक प्रशिक्षण केंद्रों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, केंद्रीय पुस्तकालय और उन्नत अनुसंधान सुविधाओं से भी परिचित कराया गया, जो उनकी शैक्षणिक यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। एमडीएस छात्रों को दंत चिकित्सा में उपलब्ध सुविधाओं, प्रगति और सबसे महत्वपूर्ण रूप से अपनी-अपनी विशेषज्ञताओं से जुड़े नियमों और विनियमों की जानकारी मिली। सभी विभागाध्यक्षों ने छात्रों को कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित रहने और नियमों के अनुसार पाठ्यक्रम का पालन करने के लिए प्रेरित किया। छात्रों को शैक्षणिक, नैदानिक और व्यावसायिक जिम्मेदारी और अपनी थीसिस/शोध प्रबंध को आगे बढ़ाने के तरीकों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। अपने-अपने क्षेत्रों में मौलिक शोध पर ज़ोर दिया गया। कार्यक्रम का समापन कड़ी मेहनत, समर्पण और पेशेवर व व्यक्तिगत अनुशासन के संदेश के साथ हुआ।

इस दौरान डॉ पल्लवी शर्मा, डॉ रितिका गुप्ता, डॉ अजीत कुमार,पूर्णिमा राय, डॉ सुशांत कुमार साहो, छात्रों के अभिभावकों समेत विभिन्न विभागों एचओडी मौजूद रहे।

आईआईए ग्रेटर नोएडा ने भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ग्रेटर नोएडा चैप्टर एवं समाजसेवी संगठन शुभकर्मण के संयुक्त तत्वावधान में साइट-सी पार्क, सूरजपुर में सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण, औद्योगिक क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना। इस दौरान आईआईए ग्रेटर नोएडा कोर टीम से सरबजीत सिंह चेयरमैन, जगदीश सिंह कोषाध्यक्ष, हिमांशु पांडे सचिव के अलावा प्रमोद अग्रवाल (शुभकर्मण), विशारद गौतम, ज़ेड रहमान, राकेश बंसल, जे.एस. राणा, ए.डी. पांडेय, सर्वेश गुप्ता, अमित शर्मा, विजय गोयल, मनोज सिराधना, नवीन गुप्ता, गौरव मिंडा, शिशुपम त्यागी, प्रदीप शर्मा, हर्षित अग्रवाल (NovaMa&), कपिल कलकल, अभिषेक जैन, रोहित गोयल, सिद्धांत गर्ग, चंद्रभान तिवारी, शीतल शर्मा, हरिओम अत्री यूपीसीडा, प्रताप चौधरी पुलिस चौकी इंचार्ज, मनोज कुमार अजीत सिंह, ग्लोबल डब्ल्यूएमसी के प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

सभी प्रतिभागियों ने पौधारोपण कर न केवल हरियाली का संकल्प लिया, बल्कि पौधों की देखरेख और आने वाले समय में और वृक्ष लगाने का भी प्रण किया। आईआईए ग्रेटर नोएडा चैप्टर ने इस अवसर पर यह दोहराया कि भविष्य में भी इस प्रकार के हरित कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाएगा। इस आयोजन में 70 से अधिक उद्यमियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

श्री रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा की बैठक हुई संपन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा की एक बैठक साइट 4 स्थित लक्ष्मी टिंबर में संपन्न हुई।

मीटिंग की अध्यक्षता स0 मंजीत सिंह ने की। उन्होंने बताया कि विजय महोत्सव 2025 कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मीटिंग आयोजित की गयी जिसके अंतर्गत कार्यक्रम के लिये आवश्यक सभी व्यवस्थाओं पर चर्चा कर उपस्थित सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गयी।

महासचिव बिजेंद्र सिंह आर्य ने बताया कि इस वर्ष 23 सितंबर से प्रारंभ हो रहे कार्यक्रम में रामलीला मंचन के साथ मेले को आकर्षक बनाने पर जोर रहेगा जिसमें खाने पीने के स्टाल व विभिन्न झूले लगाये जायेंगे।

इस मौके पर मनजीत सिंह, बिजेंद्र सिंह आर्य, सौरभ बंसल, हरेन्द्र भाटी, कुलदीप शर्मा, के के शर्मा कमल सिंह आर्य, इन्जीनियर श्यामवीर भाटी, गजेंद्र सिंह, मुकुल गोयल, अनिल कसाना, मनोज यादव, अनुज उपाध्याय, अजय रामपुर, विशाल जैन आदि लोग मौजूद रहे।

भाकियू (लोकशक्ति) ने दिया धरना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के बैनरतले आठवें दिन लगातार धरना प्रेमचंद भाटी की अध्यक्षता में एवं मास्टर श्यौराज राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में चला और संचालन महेंद्र रावत ने किया तथा तय किया गया कि कल दिनांक 6-8-2025को रागनियों का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कराया जाएगा ताकि धरने का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार हो सके और किसानों की आवासीय प्लाट,आवादि निस्तारण, अतिरिक्त मुआवजा एवं जेवर एयरपोर्ट में विस्थापित किसानों की आवाज को मजबूती से उठाया जा सके और जल दोहन पर जनता जनार्दन को अवगत कराया जा सके कि जल ही जीवन है क्योंकि जेबीएम यूनिवर्सिटी द्वारा सेक्टर 22ई यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में लगातार पीने के पानी को जमीन में बोरिंग करके भूजल स्तर को तोड़ा जा रहा है प्रत्येक विभाग को अवगत करा दिया गया है परंतु कोई भी विभाग कार्यवाही करने को तैयार नहीं है 4-8-2025 दिन सोमवार को भूगर्भ प्रबंधन एक्सईएन विश्वजीत सिंह ने सर्वे में पाया कि वास्तव में यूनिवर्सिटी परमीशन के अनुकूल काम नहीं किया जा रहा है परमीशन की किसी भी शर्त का पालन नहीं किया जा रहा है परमीशन डिवाटरिंग की दी गई है और यूनिवर्सिटी बोरिंग कर जमीन के नीचे के पानी को बहाया जा रहा है।आज के धरने पर मास्टर श्यौराज सिंह, महेंद्र सिंह,खचैरा सिंह,गजब, राजन, मनवीर,टीकम सिंह, ओमपाल सिंह, प्रेमचंद सिंह, शिवचरण सिंह, गुरुदत्त सिंह, हरवीर सिंह, कुमरवती, श्रृंगार, माया देवी, गुड्डी, मंजू, पूनम, संतोष, अनिता, संतोष, अनिता, कमलेश, बिमला, सीमा, शांति देवी, उपस्थित रहे।

जिम्स में महिला कर्मचारी के आरोपों का किया खंडन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (जिम्स) के नर्सिंग कॉलेज के अकाउंट विभाग में संविदा पर कार्यरत महिला कर्मचारी द्वारा सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर वीडियो अपलोड कर अस्पताल प्रशासन पर लगाए गए आरोपों का प्रबंधन ने खंडन किया है। अस्पताल प्रशासन ने आरोपों को निराधार बताते हुए उन्हें तथ्यहीन करार दिया है।

जिम्स के निदेशक डॉ ब्रिगेडियर राकेश गुप्ता ने प्रेस को जारी एक बयान में बताया कि सोशल मीडिया एक्स पर संविदा कर्मी रश्मि द्वारा एक वीडियो प्रसारित किया गया है। इस वीडियो में उन्होंने संस्थान के खिलाफ भ्रामक, झूठे और निराधार आरोप लगाए हैं जो पूरी तरह से तथ्यहीन हैं और जिम्स की छवि को क्षति पहुँचाने के उद्देश्य से लगाने प्रतीत हो रहे हैं।

शूटिंग प्रतियोगिता में मानव रचना ने लहराया परचम

नोएडा (चेतना मंच)। मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सीबीएसई उत्तरी क्षेत्र फर्स्ट की शूटिंग प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अपनी सटीक निशानेबाजी से दर्शकों को चकित करते हुए तीन गोल्ड सहित ब्राऊंज मेडल अपने नाम किए हैं।

मेरठ के एमआईईटी पब्लिक स्कूल में आयोजित सीबीएसई उत्तरी क्षेत्र वन की शूटिंग प्रतियोगिता में मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल नोएडा के प्रतिवादशाली छात्रों ने स्कूल के कोच मानव गोठवाल के मार्गदर्शन में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में मानव रचना स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सटीक निशानेबाजी का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कई मेडल अपने नाम किए। अंडर 17 एयर राइफल गर्ल्स में कनक कपूर, सानवी गंभीर, इशनी केसवनानी ने स्वर्ण पदक हासिल किया। अंडर 14 एयर राइफल गर्ल्स में आराध्या चौधरी, अलीशा तिवारी व अनाया श्रीवास्तव ने कांस्य पदक हासिल किया। अंडर 19 एयर पिस्टल गर्ल्स में ऋषिका रेड्डी काशवी शर्मा नंदिका शर्मा ने कांस्य पदक पर निशाना लगाया।

अंडर 17 एयर राइफल बॉयज में पार्थ अग्रवाल, आरव गुप्ता, प्रियम मिश्रा ने कांस्य पदक हासिल किया। स्कूल के छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर स्कूल के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधन ने उन्हें बधाई दी और सम्मानित किया।

किशोरी को भगा ले गया

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के छिजारसी से एक युवक नाबालिक किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी के मामा ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बहरामपुर में रहने वाले राकेश (काल्पनिक नाम) ने पुलिस को बताया कि उनकी (15 वर्षीय) भांजी 4 अगस्त को छिजारसी आई थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। उन्होंने जब उसकी तलाश की तो पता चला कि उसे प्रियांशु नामक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ भगाकर ले गया है। काफी तलाशने पर भी दोनों के बारे में जब कोई जानकारी नहीं मिली तो राकेश ने थाना सेक्टर-63 में मुकदमा दर्ज कराया।

पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी युवक व किशोरी की तलाश की जा रही है।

ओएसडी ने किया सेक्टर पी-4 का दौरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पी-4 की समस्याओं का ओएसडी गिरिश कुमार झा, सुपरवाइज़र जितेंद्र भाटी सहित अन्य अधिकारियों ने सेक्टर का दौरा किया।

इस दौरान ओएसडी ने होटरीकलचर ठेकेदार को फटकार लगायी। समय से घास न कटने एवं लचर सफ़ाई व्यवस्था से ओएसडी नाराज़ दिखे। सैक्टरवासी एवं किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण ने बताया कि पिछले दिनों ओएसडी को इन सभी समस्याओं से अवगत कराया था। सेक्टर में आवारा पशु एवं आवारा कुत्तों का आतंक है जिससे कई लोग घायल हो चुके हैं। जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हैं। इन सभी समस्याओं को जल्द निस्तारण करने का आश्वासन अधिकारियों ने दिया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/टी.आर.एस./पूर्वोत्तर रेलवे, लोको शेड गोण्डा द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम : निविदा सूचना संख्या : LS-GD-25-Ovh-Aux-Motor-R2,** "गोंडा और गोरखपुर शेड के पारंपरिक और 3 फेज इलेक्ट्रिक लोको के सहायक मोटर्स की ओवरहालिंग 2 वर्षों के लिए" अनुमानित लागत (रू. में) :- ₹ 1,03,52,960.28, निविदा की अवधि : - 24 माह, अग्रिम धन राशि (रू. में) :- ₹ 2,01,800.00,

समंविइं/टीआरएस पूर्वोत्तर रेलवे, लोको शेड गोण्डा

मुजाधि/विद्युत- 108

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पृष्ठ एक के शेष....

मलबे में जिंदगी...

मौत की सूचना है और बताया जा रहा है कि 50 से ज्यादा लोग लापता है। हालांकि, सेना यहां रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। 130 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है। पहाड़ों पर फंसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया जा रहा है। लोग अपने परिजन की खोज में लगे हुए हैं। बादल फटने के बाद आए सैलाब के वक्त कई लोग अपने घरों से बाहर थे। उनमें से कईयों का कुछ पता नहीं चल पा रहा।

उत्तरकाशी के निचले हिस्से में बाढ़ की वजह से भारी तबाही फैली है। इसकी चपेट में हर्षिल में स्थित सेना का एक कैंप और हैलीपैड भी आ गया। पानी के साथ राजपूताना राइफल्स का पूरा कैंप बह गया। सेना के 11 जवान लापता बताए जा रहे हैं।

इस तबाही का मंजर ऐसा है कि अब भी मलबे और गाद में दबे घरों, होटलों, दुकानों के सिर्फ छत नजर आ रहे हैं। हर तरफ मलबा या पानी नजर आ रहा है। ये घर कई फीट नीचे गाद के अंदर चले गए हैं। इसके साथ ही पहाड़ों पर लगातार बारिश जारी है।

गोल्फ कोर्स बनाने ...

इस डेट को भी निर्माण कार्य पूरा नहीं किया जा सका। यही नहीं इस बीच 18 नवंबर 2024 और 24 जून 2025 को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया।

बता दें कि परियोजना जुलाई 2021 में शुरू की गई। इसका 68 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। 38 करोड़ का काम अभी बचा है। जिसे पूरा करने के लिए नई कंपनी को काम अवार्ड किया जाएगा। अब इसकी लागत 140 करोड़ हो चुकी है। जिसमें सिविल कार्य में करीब 81 करोड़,इंटीरियर से लेकर होर्टिकल्चर का काम होना है। योजना का कुल एरिया करीब 113.87 एकड़ है।

सड़क की चौड़ाई ...

बाद में 200 मीटर के लिए 21 मीटर चौड़ाई क्यों की जा रही है। इससे अक्सर यहां जाम लगेगा तथा भविष्य में बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। उनका आरोप है कि हाईकोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट से केस जीतने के बाद प्राधिकरण इस बंद मार्ग को फिर से खुलवाकर बना रहाहै। इसमें कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से इस सड़क की चौड़ाई को 45 के स्थान पर 21 मीटर किया जा रहा है जो स्थानीय लोगों के साथ सरासर अन्याय है।

औद्योगिक संपत्तियों...

में ही एफएआर बढ़ाया जाएगा। लेकिन उससे पहले कई अन्य शर्त भी लगाई जाएंगी। ताकि सेक्टर में जाम, पानी और सीवर जैसी समस्या न हो। इसके लिए तैयारी की जा रही है। प्रस्ताव तैयार कर बोर्ड में भेजा जाएगा। वहां से अनुमोदन के बाद शहरवासियों से आपत्तियां मांगी जाएंगीत्र आपत्तियों का निवारण के बाद ही एफएआर को बढ़ाने पर मुहर लगेगी।

मनचले ने जीना...

शेरा पुत्र रामबाबू पिछले काफी दिनों से लगातार उसका पीछा करता है। सुनसान जगह पर अकेला देखकर शेरा उसे कई बार रास्ते में भी रोक चुका है। इस बारे में उसने अपने मकान मालिक से भी शिकायत की। मकान मालिक ने भी शेरा को ऐसा न करने के हिदायत दी। लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। रेशमा के मुताबिक 6 मई को शेरू ने बख्तावरपुर गांव में स्थित सरकारी ठेके वाले सुनसान रास्ते पर उसे जबरन रोक लिया। किसी तरह वह अपने घर पहुंची।

रेशमा ने पुलिस को बताया कि मनचले शेरा की हरकतों ने उसे बुरी तरह परेशान कर रखा है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

लालच में फंसा...

प्रकाश कुमार उर्फ सनी निवासी बक्सर बिहार व दल्लूपुरा दिल्ली निवासी सत्तार अंसारी आते थे। कुछ ही समय में उनके बीच अच्छी बातचीत होने लगी। इस दौरान दोनों ने उसे बताया कि वह कमीशन लेकर पैसे डबल करने का काम करते हैं। दोनों की बात पर विश्वास कर वह पड़ोस में रहने वाले प्रकाश उर्फ सनी के कमरे पर गया और उसे 500 रुपए दिए। दोनों ने कमीशन काटकर उसे पैसे डबल दे दिए। विश्वास होने पर उसने कुछ दिन बाद दोनों को 50 हजार रुपए डबल करने के लिए दिए। प्रकाश व सत्तार अंसारी ने अपने कमीशन के 10 हजार रुपए काटकर उसे 90 हजार रुपए लौटा दिए। पुरुषोत्तम के मुताबिक इसके बाद प्रकाश उर्फ सनी व सत्तार अंसारी ने उसे ज्यादा पैसा डबल करने का लालच दिया। दोनों ने बताया कि ज्यादा पैसे डबल करने पर वह कमीशन के पैसे भी कम लेते हैं। बातों-बातों में दोनों ने उसे अपने विश्वास में ले लिया। पूर्व में डबल पैसे मिलने के कारण उसे भी दोनों पर पूरा विश्वास हो गया था। पुरुषोत्तम के मुताबिक उसने 16 जुलाई को प्रकाश उर्फ सनी व सत्तार अंसारी को अपने दोस्त सचिन के मकान पर बुलाया। यहां पर उसने दोनों को 5,60000 डबल करने के लिए दिए। दोनों ने उसके द्वारा दिए गए पैसों को तौलिया में रख लिया। इस दौरान सचिन दोनों के लिए खाने-पीने का सामान लेने के लिए मार्केट गया हुआ था। पुरुषोत्तम के मुताबिक सत्तार अंसारी ने उसे पीने का पानी लेने के लिए भेज दिया जब वह पानी लेकर कमरे में आया तो दोनों नदारद थे। उसने दोनों की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। दोनों को गायब पाकर उसने कई बार उनके मोबाइल नंबर पर कॉल की लेकिन वह नंबर स्विच ऑफ मिले। ठगे जाने का एहसास होने पर पुरुषोत्तम कुमार ने आरोपियों के खिलाफ थाना फेस-2 में तहरीर दी। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

इंटरनेशनल...

इन बिटकॉइन्स को बाद में यूएसडीटी (क्रिप्टो टोकन) में बदलकर नकदी में तब्दील किया गया। यह पूरा लेनदेन यूएई स्थित हवाला ऑपरेटरों और अन्य माध्यमों से किया गया। फिलहाल, ईडी की ओर से मामले की जांच जारी है और इन आर्थिक अपराधों में शामिल व्यक्तियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

चेतना मंच
website:www.chetnamanch.com
Chetna Manch Chetna Manch
ग्रेटर नोएडा
नोएडा
बुधवार, 06 अगस्त, 2025

ऐतिहासिक 'प्रेरणा यात्रा' में शामिल होंगे सांसद व जनप्रतिनिधि

'जय हो संस्था' का दावा जिले में पहली बार निकाली जाएगी इस प्रकार की ऐतिहासिक यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिले की जानी मानी सामाजिक संस्था इस बार देश की आजादी का महापर्व स्वतंत्रता दिवस एक अनोखे अंदाज में मनाने जा रही है। जिसके लिए संस्था देश के महान शहीदों के सम्मान में हुसैनीवाला पंजाब से दादरी तक यात्रा निकालने जा रही है। संस्था द्वारा जिसे 'प्रेरणा यात्रा' का नाम दिया गया है। जय हो द्वारा यह 'प्रेरणा यात्रा' इस संकल्प के साथ आयोजित की जा रही है कि दादरी स्थित 1857 की क्रांति के प्रतीक 'शहीद स्तंभ' को एक नई पहचान मिले और आने वाले वर्षों में उसे जीवंत किया जा सके। संस्था का दावा है कि इस प्रकार की और लंबी दूरी वाली यह ऐतिहासिक यात्रा जिले में पहली बार आयोजित की जा रही है।

'जय हो' एक सामाजिक संस्था के संस्थापक एवं 'प्रेरणा यात्रा' के संयोजक कपिल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि यात्रा को सफल बनाने के लिए टीमें बनाकर लागतार लोगों के बीच जाकर जन जागरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्र प्रेम के इस महायज्ञ में आहूति देने सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, दादरी नगर पालिका चेयरमैन गीता पंडित आदि सभी जनप्रतिनिधि यात्रा का हिस्सा बनेंगे। इसके अलावा उन्होंने बताया कि राष्ट्र प्रेम के इस महायज्ञ में आहूति देने के लिए पक्ष और विपक्ष के सभी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया जा रहा है।

'जय हो'एक सामाजिक संस्था के संयोजक संदीप भाटी ने बताया कि यात्रा 15 अगस्त प्रात: 8 बजे लाल कुआं गाजियाबाद से जिले में प्रवेश करेगी।

जिसके बाद रिलायंस पेट्रोल पंप लाल कुआं से देशभक्ति संगीतमय पदयात्रा के रूप में करीब 14 किलोमीटर का रास्ता तय कर दादरी स्थित शहीद स्तंभ तक पहुंचेगी। इस दौरान संस्था के पदाधिकारी शहीदे-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के रज कलश हाथों में लेकर पद यात्रा करेंगे। 14 किलोमीटर की इस पदयात्रा के दौरान जीटी रोड के दोनों ओर पड़ने वाले गांवों के हजारों लोग यात्रा में शामिल होकर शहीदों की रज को नमन कर सकेंगे। जिसके लिए संस्था द्वारा गांव गांव जाकर लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है।

इस अवसर पर उनके साथ अध्यक्ष दिनेश भाटी एडवोकेट, महासचिव परमानंद कौशिक, संरक्षक सुधीर वत्स, सुनील कश्यप, जिलाध्यक्ष सचिन शर्मा एडवोकेट, हरीश बैसोया, बिजेंद्र सिंह, सतबीर भाटी, संजय चौहान आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

2017 से पहले नौकरियों की होती थी डकैती : सीएम योगी

बरेली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली को कई विकास योजनाओं की सौगात दी। उन्होंने 223 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही जिले में होने वाले 322 विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। इस मौके पर बरेली कॉलेज मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए पिछली सरकारों पर जमकर निशाना साधा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत माता की जय से अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि सावन माह में नाथनगरी में आकर महादेव के चरणों में नमन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। बरेली की जनता को विकास कार्यों के लिए बधाई। उन्होंने कहा कि जब अच्छी सरकार आती है तो विकास और समृद्धि साथ लेकर आती है। यह वही बरेली है, 2017 से पहले इस पर दंगे का दाग लगता है। बरेली दंगाग्रस्त जनपद बन गया था। लेकिन 2017 के बाद दंगा नहीं बल्कि आज नाथ कॉरिडोर से बरेली की पहचान बन गई है। मुख्यमंत्री ने शहर के सात नाथ मंदिरों का जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले नौकरियों पर डकैती डाली जाती थी। बंटरबांट होता था। कहीं चाचा वसूली के लिए निकलते थे, कहीं बबुआ। कहीं कोई भतीजा निकल रहा तो कहीं पर भाई निकल रहा। उन रिश्तों को देखकर हर कोई असमंजस में रहता था कि महाभारत में तो ये रिश्ते देखे थे, लेकिन एक नौजवान की नौकरी पर ये रिश्ते कैसे लूट मचाए हुए थे, यह सबने देखा है।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें बांटने का काम करती थीं। वोटबैंक की राजनीति के माध्यम से तृष्टिकरण करती थीं। सुरक्षा में सेंध लगाने वालों का सम्मान करती थीं। डबल इंजन की भाजपा सरकार तृष्टिकरण नहीं बल्कि विकास से जनता की संतुष्टि का माध्यम बन रही है। विरासत को विकास के माध्यम से जोड़ रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि न्यू बरेली में विकास प्राधिकरण, नगर निगम व जनप्रतिनिधियों द्वारा उनके परिणाम विकास के रूप में देखने को मिल रहे हैं। अब कोई बरेली को दंगाग्रस्त बरेली नहीं कह सकता है। इसका प्रमाण सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान हमने देखा है।

सीएम योगी ने कहा कि हम विकास की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के जाति, मजहब, भाषा देखे बिना हर किसी को देंगे। लेकिन अगर कोई मानता हो कि किसी विशेष रूप से उनके लिए पिछली सरकारों की तर्ज पर योजनाएं बनेंगी। अब वह नहीं हो सकता है। अब नया भारत है, योजनाओं में भेदभाव नहीं करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां रोजगार मेला भी लगा है। युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित हुए हैं। बताया कि उत्तर प्रदेश में सरकार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी स्कीम लागू की है। इसके तहत लाभार्थी को पांच लाख रुपये का गारंटी मुक्त ब्याज मुक्त ऋण मिलता है। सरकार इस योजना से अब तक 70 हजार युवाओं को जोड़ चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले युवाओं के लिए योजना नहीं बनती थीं। 2017 से पहले युवाओं के सामने पहचान का संकट था। आज पहचान के संकट से नहीं गुजरता नहीं पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी हजियापुर में बनकर तैयार यूनानी मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया। यह बरेली मंडल का पहला यूनानी मेडिकल कॉलेज है। इसके शुरू होने के बाद मंडल में इलाज के साथ पढ़ाई की राह आसान होगी। बरेली कॉलेज स्थित जनसभा स्थल पर मुख्यमंत्री की मौजूदगी में रोजगार मेले में करीबी 6000 पदों के लिए अभ्यर्थियों का चयन किया गया। सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत लाभार्थियों को डमी चेक भी दिए गए।

गढ़ी शहदरा में पहुंचे प्राधिकरण के अधिकारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गांव गढ़ी शहदरा में ग्राम विकास समिति की शिकायत पर पहुंचे ओएसडी इंदु प्रकाश। गांव गढ़ी शहदरा मे विकास कार्य को लेकर ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष सुभाष भाटी की मांग पर नोएडा अथॉरिटी के ओएसडी इंदु प्रकाश ने दौरा किया। उनके साथ अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

गांव की समस्याओं को लेकर पूरे गांव का दौरा कर समस्याएं जानी। साफ सफाई व्यवस्था से नाराज होकर उन्होंने कर्मचारियों को फटकार लगाई। गांव मे कई जगह जल भराव हुआ मिला तालाब की स्थिति भी ठीक नहीं मिली। उन्होंने कहा कि अगर गांव मे ठीक से सफाई नहीं हो पाई तो कार्यवाही होगी।

समिति के अध्यक्ष ने मांग की है गांव में एक बारात घर और लायब्रेरी और खेल का मैदान बनाने की मांग की गई। इस संबंध में सीईओ के नाम पत्र भी सौंपा।

इस मौके पर गिरिराज शर्मा विनोद प्रधान वरुण खारी जीतराम भाटी रतन पंडित राजेंद्र भाटी पवन कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

भारत-फिलीपींस रिश्तों का नया दौरः राष्ट्रपति मार्कोस बोले- आतंकवाद के खिलाफ साथ

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत दौरे पर आए फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में मुलाकात की। साथ ही गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच दोस्ताना और गहरे रिश्तों को आगे बढ़ाने के लिए बातचीत हुई। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भारत और फिलीपींस के बीच सभ्यता, इतिहास और लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव पर आधारित पुराने रिश्ते हैं। दोनों नेताओं के बीच हो रही बातचीत का उद्देश्य दोनों देशों की दोस्ती और आपसी सहयोग को और मजबूत करना है। इस मुलाकात से उम्मीद की जा रही है कि भारत और फिलीपींस के संबंध और भी मजबूत होंगे और कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से दोस्त हैं और उनकी दोस्ती नियति से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक दोनों देशों को साझा मूल्य जोड़ते हैं। यह दोस्ती केवल पुरानी नहीं बल्कि भविष्य के लिए भी एक मजबूत वादा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और 'महासागर' विजन में फिलीपींस एक महत्वपूर्ण साझेदार है। दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियमों पर आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं। अगले साल फिलीपींस आसियान का अध्यक्ष होगा, जिसके सफल संचालन के लिए भारत पूरी मदद देगा। पीएम मोदी ने बताया कि दोनों देशों के बीच हर स्तर पर बातचीत और सहयोग जारी है। आज दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग, क्षेत्रीय मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में भारत-फिलीपींस संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाने का फैसला किया गया है। इस साझेदारी को सफल बनाने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना भी बनाई गई है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 3 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इसे और मजबूत करने के लिए भारत-आसियान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की समीक्षा जल्द पूरी करने और द्विपक्षीय प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट पर काम करने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के साथ वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा संबंध दिन-ब-दिन मजबूत हो रहे हैं, जो गहरे विश्वास का प्रतीक हैं। दोनों देश समुद्री राष्ट्र हैं, इसलिए समुद्री सहयोग जरूरी और स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पहली बार, भारतीय नौसेना के तीन जहाज फिलीपींस में हो रही नौसेना अभ्यास में भाग ले रहे हैं, जिसमें भारत का हाइड्रोग्राफी जहाज भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन भारत-फिलीपींस के द्विपक्षीय संबंधों के लिए ऐतिहासिक है। अब दोनों देशों के रिश्ते रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर पहुंच रहे हैं, जिससे रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में मजबूती आएगी। पिछले कुछ वर्षों में व्यापार, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और विकास साझेदारी जैसे क्षेत्रों में बहुत प्रगति हुई है। अगले पांच वर्षों के लिए एक कार्य योजना बनाई गई है। फिलीपींस जुलाई 2027 तक भारत का देश समन्वयक होगा और 2026 में वह आसियान के अध्यक्ष पद का संचालन करेगा। पीएम मोदी ने फिलीपींस के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान भारत फिलीपींस के रिश्ते के 75 साल पूरे होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस साल भारत और फिलीपींस के बीच राजनयिक रिश्तों को 75 साल पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भले ही हमारे कूटनीतिक रिश्ते नए हों, लेकिन हमारी संस्कृतियों का जुड़ाव बहुत पुराना है। फिलीपींस में रामायण की कहानी 'महारादिया लवाना' इसका बड़ा उदाहरण है, जो हमारी सदियों पुरानी सांस्कृतिक कड़ी को दर्शाता है।

विपक्ष सोच रहा होगा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग कर कोई गलती की? प्रधानमंत्री मोदी का तंज

नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए सम्मानित किया। पहलगाम आतंकी हमले पर पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की कड़ी प्रतिक्रिया की एनडीए की बैठक में जमकर सराहना की गई। इस दौरान पीएम मोदी ने बैठक को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त एक ऐतिहासिक दिन था, क्योंकि इसी दिन पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष अधिकार देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया था। एनडीए सरकार ने संविधान का पूरी भावना से पालन किया है। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री अमित शाह की भी प्रशंसा की और कहा कि वह इस मंत्रालय में सबसे लंबे समय तक रहने वाले मंत्री बन गए हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष सोच रहा होगा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग करके उसने कोई गलती की है। इस दौरान 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' के दौरान पीएम मोदी के नेतृत्व और सशस्त्र बलों के अद्वितीय साहस और अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। श्रीनगर के बाहरी इलाके में 28 जुलाई को 'ऑपरेशन महादेव' नाम से हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के तीन दहशतगर्द मारे गए थे। भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने जून 2024 में सरकार बनने के बाद से संसद के सत्रों के दौरान अपनी इस तरह की दूसरी बैठक की। 'भारत माता की जय' के नारों के बीच भाजपा और उसके सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेताओं ने पीएम मोदी का अभिनंदन किया। दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की थी। इसके पाकिस्तान ने भी कायराना हरकत करते हुए भारत में नागरिक और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। जवाब में भारत ने पाकिस्तान के कई एयरबेस को हमला बोला था। चार दिन तक चले संघर्ष के बाद 10 मई को पाकिस्तान ने भारत के सामने घुटने टेक दिए थे और संघर्ष विराम की गुहार लगाई थी।

सुप्रीम कोर्ट के जज तय नहीं कर सकते कि सच्चा भारतीय कौन? राहुल को फटकार पर भड़कीं प्रियंका

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर अपने भाई राहुल गांधी का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जज यह तय नहीं कर सकते कि कौन सच्चा भारतीय है। बता दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ की एक अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक लगाई, लेकिन साथ ही कहा कि 'अगर वह सच्चे भारतीय हैं, तो उन्हें ऐसा बयान नहीं देना चाहिए था।' सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी राहुल गांधी के उस बयान को लेकर थी, जो उन्होंने दिसंबर 2022 में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सेना को लेकर दिया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में पत्रकारों से कहा, 'माननीय सुप्रीम कोर्ट के जजों का मैं सम्मान करती हूं, लेकिन यह तय करना उनका काम नहीं है कि कौन सच्चा भारतीय है। विपक्ष के नेता का काम होता है सरकार से सवाल पूछना और उसे चुनौती देना।' उन्होंने कहा कि उनके भाई राहुल गांधी को सेना का बहुत सम्मान है और वह कभी भी सेना के खिलाफ कुछ नहीं कह सकते। प्रियंका ने कहा, 'राहुल सेना का हमेशा सम्मान करते हैं। उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।' राहुल गांधी ने 9 दिसंबर 2022 को 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान एक भाषण में सेना से जुड़ा बयान दिया था, जिसे लेकर उनके खिलाफ लखनऊ की अदालत में मामला दर्ज हुआ था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने उस मामले में उन्हें राहत दी, लेकिन साथ में यह भी कहा कि 'एक सच्चा भारतीय ऐसा बयान नहीं देगा।' वहीं इस मामले को लेकर भाजपा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने 'चीन को मजबूत करने की कसम खाई है।' इसके जवाब में कांग्रेस ने कहा कि देशभक्त भारतीयों ने गलवां घाटी की घटना के बाद से सरकार से जवाब मांगा है, लेकिन सरकार सच्चाई को 'डीडीएलजे नीति- डिनाई (इंकार), डिस्ट्रैक्ट (ध्यान भटकाना), लाइ (झूठ), जस्टिफाई (सफाई)' के जरिए छिपा रही है। कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी ने कभी सेना का अपमान नहीं किया। वे केवल सरकार से जवाब मांग रहे थे कि गलवां में चीन के हाथों हमारे जवानों की शहादत के बाद क्या कदम उठाए गए। भाजपा ने राहुल गांधी पर चीन के समर्थन का आरोप लगाते हुए कहा कि उनका रवैया देश विरोधी है।

अमेरिका में ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला खेलों के लिए नहीं मिलेगा वीजाः ट्रंप

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार रूप से अमेरिकी वीजा को लेकर नए और सख्त कानून लाने की प्रक्रिया तेज कर चुके है। जहां अब वीजा ओवरस्टे के बाद ट्रंप प्रशासन ने खेल वीजा को लेकर भी एक नया नियम लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत बताया गया है अब ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिलाओं के खेलों में हिस्सा लेने के लिए वीजा नहीं मिलेगा। प्रशासन के अनुसार इस नियम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि महिलाओं के खेलों में केवल महिला खिलाड़ी ही भाग लें। इस नए नियम को अमेरिकी की नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईसी) ने जारी किया है। बता दें कि यह नया नियम अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश कीप मेन आउट वूमेन स्पोर्ट्स (पुरुषों को महिलाओं के खेलों से बाहर रखें) के अनुसार बनाया गया है। इस आदेश में कहा गया है कि जो पुरुष खिलाड़ी महिलाओं के खेलों में हिस्सा लेने के लिए अपने लिंग पहचान को बदलते हैं, उन्हें अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मामले में यूएससीआईएस ने बताया कि अब कुछ खास वीजा कैटेगरी जैसे ओ-1, ई11, ई21 और नेशनल इंटरेस्ट वाइवर्स (एनआईडब्ल्यूएस) में बदलाव किया गया है ताकि खेल में सभी महिलाओं को समान मौका मिले।

पर्यावरण नुकसान के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड वसूल सकता है हर्जाना, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि देश के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अब पर्यावरण को हुए या संभावित नुकसान के लिए मुआवजा और हर्जाना वसूल सकते हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण सुरक्षा के लिए सिर्फ सजा देना ही काफी नहीं, बल्कि नुकसान की भरपाई और रोकथाम भी जरूरी है। यह फैसला जस्टिस पीएस नरसिंहा और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, पानी और हवा से जुड़े कानूनों के तहत प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को संवैधानिक और वैधानिक अधिकार मिले हैं कि वे पर्यावरणीय नुकसान की भरपाई के लिए राशि वसूल सकें। ये बोर्ड पहले से ही कुछ निर्देश देने के लिए अधिकार रखते हैं (पानी एक्ट की धारा 33ए और एयर एक्ट की धारा 31ए के तहत), और उन्हीं के अंतर्गत ये हर्जाना वसूलने की शक्ति भी शामिल है। यह हर्जाना सजा नहीं है, बल्कि एक नागरिक उपाय है, ताकि पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई की जा सके या भविष्य में संभावित नुकसान को रोका जा सके। बोर्ड सीधा जुर्माना नहीं लगाएंगे, बल्कि एक निश्चित राशि की मांग कर सकते हैं, या कंपनियों से बैंक गारंटी जमा करवाने के लिए कह सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि भारत के पर्यावरण कानूनों में पहले से ही यह सिद्धांत है कि जो प्रदूषण फैलाएगा, वही इसकी कीमत चुकाएगा यानी 'प्रदूषक भुगतान सिद्धांत'। यह मुआवजा तब भी लागू हो सकता है। जब कोई तय सीमा पार हो जाए और पर्यावरण को नुकसान पहुंचे। या फिर जब कोई सीमा पार न हो, लेकिन फिर भी गतिविधि से नुकसान हो जाए। यहां तक कि संभावित नुकसान होने की स्थिति में भी बोर्ड कार्रवाई कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 के दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें कहा गया था कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर्यावरणीय नुकसान का हर्जाना नहीं वसूल सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह निर्णय गलत था और इससे पर्यावरण की रक्षा करने वाली संस्थाओं की शक्ति कमजोर हुई थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि बोर्डों को यह शक्ति न्याय के सिद्धांतों, पारदर्शिता और निश्चित नियमों के तहत ही इस्तेमाल करनी होगी। इसके लिए सरकार को ठोस नियम और उपविधियां बनाने होंगे, ताकि यह प्रक्रिया स्पष्ट और निष्पक्ष हो। अब प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों, फैक्ट्रियों, प्रोजेक्ट्स पर केवल जुर्माना या सजा नहीं, बल्कि हर्जाना भरने या रोकथाम के उपाय अपनाने का सीधा दबाव होगा। प्रदूषण से पहले ही रोकथाम की कार्रवाई की जा सकेगी- जैसे बैंक गारंटी लेना या राशि जमा करवाना। पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों को अब जवाबदेही से नहीं बचाया जा सकेगा।

जम्मू-कश्मीर को मिलेगा पूर्ण राज्य का दर्जा? याचिका पर आठ अगस्त को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

श्रीनगर

साल 2019 में जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 के निरस्तीकरण के लिए जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम संसद में लाया गया। इसके आधार पर प्रदेश को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पुनर्गठित किया गया। इस तरह जम्मू-कश्मीर राज्य से केंद्रशासित प्रदेश में बंट गया। पिछले छह वर्षों से प्रदेश के राज्य के दर्जे की बहाली की मांग की जा रही है। इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट आठ अगस्त को सुनवाई कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट आठ अगस्त को जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर सकता है। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने मंगलवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष इस मामले का जिक्र किया। शंकरनारायणन ने कहा, "(सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर) तारीख 8 अगस्त दिखाई दे रही है। इसे हटाया न जाए।" पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटा दिया गया था। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे जायज ठहराया 11 दिसंबर, 2023 को, सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के फैसले को बरकरार रखा। इसके साथ ही आदेश दिया कि जम्मू-कश्मीर में सितंबर 2024 तक विधानसभा चुनाव कराए जाएं और इसका राज्य का दर्जा "जल्द से जल्द" बहाल किया जाए। पिछले साल, सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर केंद्र को दो महीने के भीतर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। यह याचिका शिक्षाविद ज़हूर अहमद भट और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक ने दायर की थी। याचिका में कहा गया

अमेरिकी ने पाकिस्तान को बेचे थे 2 अरब डॉलर के हथियार, भारतीय सेना ने ट्रंप को याद दिलाई 54 साल पुरानी बात

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत पर टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं। इसी बीच सेना ने अमेरिका का असली चेहरा एक बार फिर सबके सामने रख दिया है। आज से ठीक 54 साल पहले अमेरिका पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत के खिलाफ साजिश रच रहा था, जिसका सबूत सेना ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। भारतीय सेना के पूर्वी कमांड ने एक्स पर 54 साल पुरानी अखबार की एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें बताया गया है कि 1954 से 1971 से बीच अमेरिका ने पाकिस्तान को 2 बिलियन डॉलर (1 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा के हथियार भेजे थे। सेना के द्वारा शेयर की गई अखबार की यह कटिंग 5 अगस्त 1971 की है। यह सबूत है कि अमेरिका दशकों से पाकिस्तान को हथियार दे रहा था, जिसके दम पर पाकिस्तान भारत से युद्ध की तैयारी कर रहा था। 1965 और 1971 का युद्ध इसी का परिणाम था, जिसका बीज अमेरिका ने दशकों पहले ही बो दिया था। सोशल मीडिया पर यह कटिंग शेयर करते हुए सेना ने कैप्शन में लिखा, "उस साल आज ही के दिन युद्ध की तैयारी चल रही थी - 5 अगस्त 1971" अखबार के इस पन्ने पर तत्कालीन रक्षा राज्य मंत्री वीसी शुक्ला का बयान भी मौजूद है, जिसमें उन्होंने राज्यसभा में कहा था कि बांग्लादेश में भड़के विद्रोह के मद्देनजर नाटो देश और सोवियत संघ से पाकिस्तान को हथियार देने के लिए कहा गया था। अखबार में साफ-साफ लिखा हैकि अमेरिका और चीन ने मिलकर पाकिस्तान को हथियार सप्लाई किए थे, जिनकी मदद से पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 1971 युद्ध लड़ा था। आज भी अमेरिका पाकिस्तान को टैरिफ की धमकियां नहीं देता। जहां एक तरफ ट्रंप कई देशों पर अंधाधुंध टैरिफ लगा रहे हैं, तो वहीं उन्होंने पाकिस्तान का टैरिफ 29 प्रतिशत से घटाकर 19 प्रतिशत कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को भी धमकी दी है कि अगर हम रूस से तेल खरीदना जारी रखेंगे, तो ट्रंप भारत पर 25 प्रतिशत से भी ज्यादा का टैरिफ लगा देंगे।

रूस के छाया बेड़े पर कार्रवाई की योजना बना रहीं ब्रिटिश खुफिया एजेंसियां, मॉस्को ने दी चेतावनी

मॉस्को

रूसी विदेशी खुफिया एजेंसी (एसवीआर) ने दावा किया है कि ब्रिटेन की खुफिया एजेंसियां, नाटो सहयोगियों के साथ मिलकर रूस के छाया बेड़े के खिलाफ कार्रवाई की योजना बना रही हैं। रूस ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ऐसा हुआ तो इससे अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आपदा आ सकती है। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि अमेरिका, रूस के ऊर्जा खरीददारों पर प्रतिबंध लगाने के लिए और उन्हें मजबूर करने के लिए बड़ी कार्रवाई कर सकता है। बयान में कहा गया है कि ब्रिटिश खुफिया एजेंसियों की ये योजना अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में पारिस्थितिकी आपदा ला सकती है। रूसी खुफिया एजेंसियों का कहना है कि ब्रिटेन की सरकार अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन के संकरे इलाकों जैसे जलडमरूमध्य में जानबूझकर जहाजों को दुर्घटनाग्रस्त कर सकती है, इससे रास्ता कुछ समय के लिए बाधित हो जाएगा और पश्चिमी देशों की सेनाओं को मेरीटाइम सुरक्षा और पर्यावरणीय नियमों की आड़ में छोटे जहाजों की जांच का मौका मिल जाएगा। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन प्रतिबंधों के चलते रूस के लिए अंतरराष्ट्रीय शिपिंग नियमों के तहत अपना कच्चा तेल बेचना मुश्किल हो गया है। युद्ध के लिए धन जुटाने के लिए रूस का कच्चे तेल की बिक्री करना बेहद जरूरी है। ऐसे में नियमों का पालन किए बिना तेल बेचते रहने और पैसा कमाते रहने के लिए, रूस ने इस छाया बेड़े का निर्माण किया।

बांग्लादेश में 'झूठ' का एक साल

टूटे 5 मिथक...पाकिस्तान-चीन के साथ यूनुस ने बनाई तिकड़ी

नई दिल्ली

5 अगस्त, 2024 को बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार का जबरन तख्तापलट कर दिया गया था। कहने के लिए उनकी अवामी लीग सरकार के खिलाफ छात्र आंदोलन हो रहा था, लेकिन बाद में सच्चाई सामने आई कि उन तथाकथित हिंसक छात्रों के पीछे कौन-कौन देशी विदेशी शक्तियां शामिल थीं। शेख हसीना जान बचाकर बांग्लादेश से निकलीं और तीन दिन बाद ही बहुत नाटकीय ढंग से मोहम्मद यूनुस ने कथित अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी मुख्य सलाहकार बनकर संभाल ली। बीते एक वर्ष में बांग्लादेश जिस दिशा में बढ़ चला है, वह इसके अस्तित्व पर ही सवाल खड़े कर रहा है। जिन शक्तियों के खिलाफ यह देश बना था, धीरे-धीरे वही शक्तियां इसे अपनी गिरफ्त में जकड़ती जा रही हैं। जब शेख हसीना को बांग्लादेश की सत्ता से जबरन बेदखल किया गया था, तब दुनिया भर में यह तस्वीर पेश करने की कोशिश की गई कि आंदोलन खुद से शुरू हुआ था, जिसकी अगुवाई छात्रों के हाथों में थी। बाद में इस गलतफहमी से पर्दा उठ गया और पता चला कि सारे ड्रामे के पीछे कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी का हाथ था। यह वही जमात है, जिसने 1971 में बांग्लादेश मुक्ति अभियान में पाकिस्तान का साथ दिया था। जमात इस बार भी पाकिस्तान की कठपुती बना हुआ है और इस बार उसे चीन और पश्चिमी देशों का भी आशीर्वाद मिला है, जिसमें कथित रूप से अमेरिकी शक्तियां भी शामिल हैं। इन सभी पाकिस्तान परस्त ताकतों ने मोहम्मद यूनुस को चेहरे के तौर पर इस्तेमाल किया;लेकिन बहुत जल्द गरीबों और खासकर गरीब महिलाओं के इस मसीहा के पीछे छिपे कट्टरपंथी शख्स का नकाब भी उतर गया। यूनुस सरकार की बुनियाद ही झूठ पर खड़ी की गई। युनुस सरकार ने जिस अंतरिम सरकार के तौर पर सत्ता संभाली, बांग्लादेश के संविधान में उसकी व्यवस्था ही नहीं है। यहां तक कि अदालत की व्यवस्था वाली केयरटेकर सरकार के मॉडल की भी यूनुस ने धज्जियां उड़ा दीं।

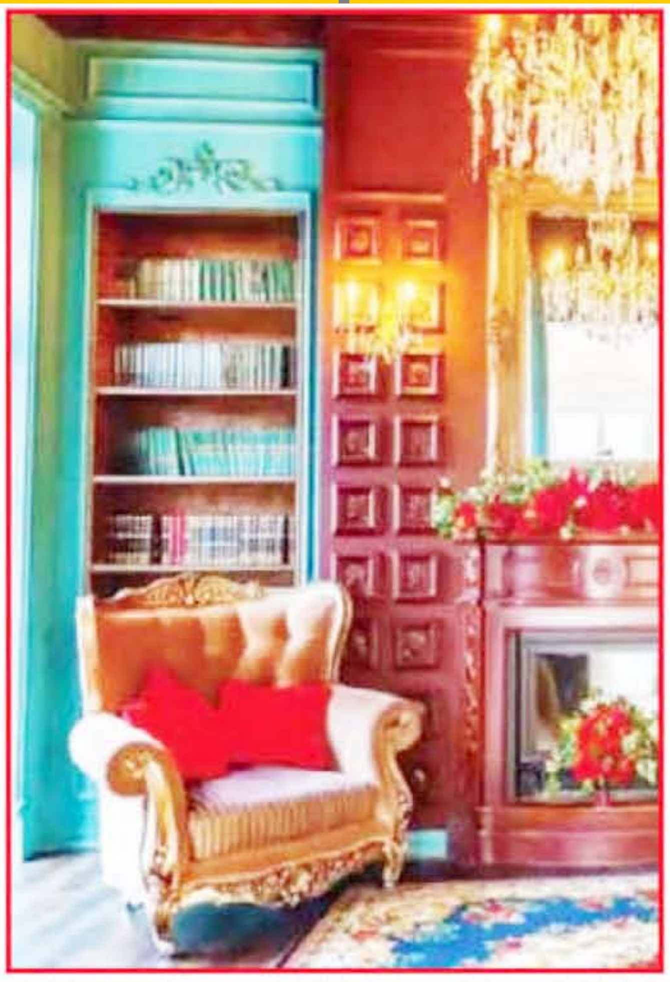

कैसे बनाएं अपने लिविंग रूम को खूबसूरत और हटके? ट्राई करें ये बेहतरीन प्रोडक्ट्स

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है।

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है। लेकिन क्या आपका लिविंग रूम अब बोरिंग और पुराना हो गया है? क्या आपको भी लगता है कि इस जगह को थोड़ा नयापन चाहिए, वो भी बिना ज़्यादा खर्च किए? अगर हाँ, तो आपको बस अपनी सजावट में थोड़ा क्रिएटिव टच जोड़ने की जरूरत है। आइए जानते हैं कुछ बेहतरीन और आसान डेकोरेशन टिप्स जो आपके लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ा देंगे।

दीवारों को सजाएँ

दीवारें किसी भी कमरे का मूड सेट करती हैं। आप अपने लिविंग रूम की दीवारों को हल्के पेस्टल शेड्स से पेंट कर सकते हैं या वॉलपेपर लगा सकते हैं। आजकल ट्रेंडी वॉल आर्ट भी काफी पसंद किए जा रहे हैं।

कुशन और पर्दों से मूड बदलें

लिविंग रूम में सोफ़े या कुर्सी का लुक बदलना मुश्किल हो सकता है, लेकिन आप कुशन कवर और पर्दों को बदलकर पूरे कमरे का लुक आसानी से बदल सकते हैं। चटख, कॉन्ट्रास्टिंग रंगों और पैटर्न वाले कपड़ों का इस्तेमाल करें। मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, गर्मियों में सूती और सर्दियों में मखमल या रेशमी।

पौधे लगा सकते हैं

पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि आपके घर को एक प्राकृतिक और ताज़ा रूप भी देते हैं। स्नेक प्लांट, मनी प्लांट या एरेका पाम जैसे इनडोर पौधे आपके लिविंग रूम को सुंदर और शांत बना सकते हैं। कोने की मेज या खिड़की पर छोटे पौधे सजाएँ।

प्रकाश व्यवस्था का सर्वोत्तम उपयोग करें

सिर्फ़ अच्छी रोशनी ही लिविंग रूम के रूप को निखार सकती है। हल्की पीली लाइटें, फ्लोर लैंप या फेयरी लाइटें कमरे को आरामदायक और आकर्षक बना सकती हैं। सेंटर लाइट के साथ कुछ साइड लैंप भी लगाएँ।

एक्सेसरीज से जोड़ें अपना निजी स्पर्श

फोटो फ्रेम, कैंडल स्टैंड, बुक शेल्फ़ या हाथ से बनी कलाकृतियाँ, ये सभी आपके लिविंग रूम को अनोखा और आपके व्यक्तित्व के अनुरूप बना सकते हैं।

लिविंग रूम को नया रूप देना कोई महंगा या मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ी सी रचनात्मक सोच, कुछ किफायती सजावट के आइडिया और सही संयोजन से, आप अपने लिविंग रूम को स्टाइलिश, सुंदर और खास बना सकते हैं। तो देर किस बात की? इन सुझावों को आजमाएँ और अपने घर को एक नया और ताजा एहसास दें।

घर हमेशा दिखता है बिखरा और गंदा? ऑर्गेनाइज करने के लिए फॉलो करें 7 टिप्स, लाइफ बनेगी आसान

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में साफ-सुथरे और ऑर्गेनाइज्ड घर की चाहत तो सबको होती है, लेकिन समय की कमी, थकान और दिनभर के तनाव के बीच अक्सर घर बिखरा हुआ और अस्त-व्यस्त नजर आता है। चाहे आप गृहिणी हों, ऑफिस जाने वाले प्रोफेशनल या स्टूडेंट – गंदा और बिखरा घर मानसिक शांति को भी प्रभावित करता है। साइकोलॉजिकल स्टडीज़ भी बताती हैं कि साफ और व्यवस्थित घर में रहने वाले लोग अधिक फोकस्ड और मानसिक रूप से शांत रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ आसान आदतों और स्मार्ट टिप्स को अपनाकर अपने घर को साफ और ऑर्गेनाइज रख सकें। यहां हम आपको बता रहे हैं 7 आसान और कारगर टिप्स, जिन्हें फॉलो करके न सिर्फ आपका घर हमेशा चमकता रहेगा, बल्कि आपकी लाइफ भी बेहतर और आसान बन जाएगी।

1.हर चीज की तय जगह बनाएं

घर में जितनी चीजें हैं, अगर उनकी एक फिक्स जगह तय हो जाए तो आधा काम वहीं खत्म हो जाता है। चाबियों के लिए की-होल्डर, रिमोट्स के लिए बॉक्स और जूतों के लिए शू-रैक जैसे साधारण उपाय घर को ऑर्गेनाइज रखने में मदद करते हैं।

2.वन इन, वन आउटफ रूल अपनाएं

जब भी कोई नई चीज़ घर लाएं, तो एक पुरानी या अनुपयोगी चीज़ को बाहर निकाल दें। इससे फालतू सामान जमा नहीं होगा और घर में जगह भी बनी रहेगी।

3. 10 मिनट क्लीनिंग रूटीन

हर दिन सिर्फ 10 मिनट का समय घर की सफाई को दें। आप चाहें तो सुबह उठते ही या रात सोने से पहले ये कर सकते हैं। इससे गंदगी जमा नहीं होगी और सफाई एक बोझ की तरह महसूस नहीं होगी।

4.स्मार्ट स्टोरेज का करें इस्तेमाल

बाजार में आजकल स्टोरेज बॉक्स, प्लास्टिक कंटेनर और ऑर्गेनाइज़र डिवाइडर उपलब्ध हैं। इनका इस्तेमाल करके आप कपड़ों, बर्तनों, किताबों या बच्चों के खिलौनों को अच्छी तरह जमा सकते हैं।

5.साप्ताहिक %डिक्लटर डे%

हफ्ते में एक दिन ऐसा रखें जब आप घर की अनावश्यक चीजों की छंटाई करें। पुराने अखबार, खराब इलेक्ट्रॉनिक्स या बेकार कपड़े - जो भी ज़रूरी नहीं है, उसे अलग करें।

6.रात में 5 मिनट का राउंड

सोने से पहले घर का एक चक्कर लगाएं और देखें कि कौन सी चीज अपनी जगह से हट गई है। उन्हें वापस रख दें। इससे सुबह उठने पर घर साफ मिलेगा और दिन की शुरुआत बेहतर होगी।

7.नो डंप ज़ोनफ बनाएं

ऐसे स्थान तय करें जहां कोई भी चीज़ बिना सोचे-समझे न रखी जाए, जैसे डाइनिंग टेबल, सेंटर टेबल या एंट्रेंस एरिया। यह आदत आपके घर की सुंदरता बनाए रखेगी।

नया घर बनाते समय इन बातों का जरूर रखें ध्यान वरना उठाना पड़ेगा भारी नुकसान

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है।

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है। जब आप घर बनवा रहे होते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है ताकि वह रहने के लिए एक अच्छा और सुखद स्थान बन जाए। क्योंकि घर रोज-रोज नहीं बनता, इसलिए घर बनवाते समय वास्तु का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने के लिए कुछ नियमों का पालन किया जाता है। इससे घर में रहने वाले लोगों की खुशियां और तरक्की बढ़ती है। वास्तु शास्त्री अंशुल त्रिपाठी बता रहे हैं कि घर बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भूमि पूजन घर बनवाने से पहले भूमि पूजन करना बहुत शुभ माना जाता है। धरती को मां माना जाता है, इसलिए घर बनवाते समय खुदाई शुरू करने से पहले उसका सम्मान करना जरूरी होता है। इसे शुभ शुरुआत माना जाता है और इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

कुआं

घर बनवाते समय उत्तर-पूर्व दिशा में कुआं खोदें और उसी पानी का इस्तेमाल घर बनवाने में करें। इससे सौभाग्य की प्राप्ति होती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में कुआं बनवाना अशुभ माना जाता है, इससे घर में परेशानी आ सकती है।

दरवाजा

दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई दरवाजा नहीं होना चाहिए। उत्तर या पूर्व दिशा में दरवाजा शुभ माना जाता है। दरवाजे अंदर की ओर खुलने चाहिए, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करे। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजे से सकारात्मक ऊर्जा बाहर की ओर प्रवाहित होती है।

पानी की निकासी

घर का गंदा पानी भी उत्तर-पूर्व दिशा में ही निकलना चाहिए।

पुराना घर खरीदते समय

अगर आप पुराना घर खरीद रहे हैं, या खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो उसे जरूर रंगवा लें। अगर आप खुद रंगवा सकते हैं या उसमें मदद कर सकते हैं, तो और भी अच्छा रहेगा। ऐसा करने से घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आएगी।

घर बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

मुख्य द्वार के सामने लगे पेड़ को हटाना।

बेडरूम में पलंग को दीवार से सटाकर रखें।

रसोई में गैस चूल्हे का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए।

मंदिर घर के उत्तर-पूर्व कोने में होना चाहिए।

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

घर का लेआउट और व्यवस्था हमारे स्वास्थ्य और खुशी को प्रभावित कर सकती है।

हमेशा बिखरी हुई रहती है अलमारी, इन 5 तरीकों से रखें ऑर्गेनाइज नहीं होगी कपड़े ढूंढने में तकलीफ

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है?

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है? दरअसल, हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियाँ कर देते हैं जिनकी वजह से हमारी अलमारी हमेशा अव्यवस्थित रहती है। लेकिन अगर आप चाहें, तो छोटे-छोटे बदलावों से अलमारी को पूरी तरह साफ़, सुथरा और व्यवस्थित बना सकते हैं, तो आइए जानते हैं कि आप अपनी अलमारी को कैसे व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि आपके कपड़े व्यवस्थित और व्यवस्थित रहें।

पुराने और टाइट कपड़े हटाएँ

कई बार हम अलमारी में ऐसे कपड़े रख देते हैं जो अब हमें फिट नहीं आते या जिन्हें हमने पहनना बंद कर दिया है। ये कपड़े न सिर्फ़ जगह घेरते हैं बल्कि ज़रूरत के कपड़े ढूँढ़ना भी मुश्किल बना देते हैं। अगर आपके पास भी ऐसे कपड़े हैं, तो समय-समय पर उन्हें व्यवस्थित करना ज़रूरी है।

व्यवस्था प्रणाली अपनाएँ

जब अलमारी में कपड़ों को व्यवस्थित तरीके से रखने या रोज़मर्रा के कपड़ों को एक साथ रखने जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, तो चीज़ें जल्दी बिखर जाती हैं। अगर आप अपने कपड़ों को रोज़ाना सही और व्यवस्थित तरीके से रखें, तो चीज़ें आसानी से बिखर सकती हैं।

गलत हैंगर का इस्तेमाल

कई लोग भारी जैकेट या कोट के लिए कमज़ोर प्लास्टिक के हैंगर इस्तेमाल करते हैं जिससे कपड़े गिर जाते हैं या खराब हो जाते हैं। हर कपड़े के लिए सही हैंगर का इस्तेमाल करना बहुत ज़रूरी है ताकि कपड़े अपनी शेप में रहें और अलमारी साफ़-सुथरी दिखे। इसलिए भारी कपड़ों के लिए अलग और हल्के कपड़ों के लिए अलग हैंगर रखें।

अलमारी में जगह कम होना

कई लोगों की अलमारी में जगह कम होती है और अगर कपड़े ज़्यादा हों, तो उनका बिखरना स्वाभाविक है। ऐसे में शेल्फ डिवाइडर, स्टोरेज बॉक्स या मल्टी-लेयर हैंगर जैसे स्मार्ट स्टोरेज उपाय मददगार हो सकते हैं। ऐसा करने से कम जगह में ज़्यादा चीज़ें आ सकती हैं।

गलत तरीके से तह किए हुए कपड़े

कई बार कपड़ों को गलत तरीके से तह करने से चीज़ें खराब हो जाती हैं और अलमारी अव्यवस्थित लगती है। सही तह करने की तकनीक अपनाकर और उन्हें श्रेणी के अनुसार व्यवस्थित करके, आप जगह भी बचा सकते हैं और अलमारी को साफ़ भी रख सकते हैं।

कम बजट में घर को दें इंस्टाग्राम जैसा एस्थेटिक लुक, ये चीजें करेंगी कमाल

आजकल सोशल मीडिया पर खासकर इंस्टाग्राम पर कई ऐसे खूबसूरत रूम डेकोरेशन रील्स दिखती हैं जिन्हें देखकर मन करता है कि काश हमारा घर भी ऐसा ही स्टाइलिश और क्लासी होता। लेकिन हर कोई महंगे इंटीरियर पर खर्च नहीं कर सकता। ऐसे में अगर आप भी अपने आशियाने को नया लुक देना चाहते हैं तो परेशान न हों। कुछ सिंपल और किफायती चीजों से आप अपने घर को भी इंस्टाग्राम-लायक बना सकते हैं। आइए जानें कुछ आसान, सुंदर और बजट-फ्रेंडली आइडियाज।

घर को एलिगेंट लुक देने वाले इनडोर प्लांट्स

बड़े साइज के पौधे घर में एक अलग ही ताजगी और खूबसूरती लेकर आते हैं। आप एरेका पाम या स्नेक प्लांट जैसे पौधे लगा सकते हैं, जो दिखने में स्टाइलिश होते हैं और हवा को भी शुद्ध करते हैं। इनका रख-रखाव भी आसान है और ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते।

लाइट कलर के पर्दों से बदलें कमरों का माहौल

पर्दों का रंग और फैब्रिक पूरे कमरे की फील को बदल सकता है। अगर आप अपने रूम को बड़ा, खुला और शांत दिखाना चाहते हैं तो व्हाइट, बेबी पिंक या बेज कलर के हल्के पर्दे लगाएं। ये रंग कमरे को आरामदायक और क्लासी लुक देते हैं।

फेयरी लाइट्स से लाएं रोशनी में जादू

हल्के रंग के पर्दों के साथ अगर आप फेयरी लाइट्स जोड़ देंगे तो आपका कमरा शाम के समय किसी मूवी सीन जैसा लगेगा। ये लाइट्स सॉफ्ट और वॉर्म इफेक्ट देती हैं, जिससे रूम और भी ज्यादा एस्थेटिक नजर आता है।

स्टैंडिंग लैम्प से बढ़ाएं रॉयल टच

अगर आप कमरे में मॉडर्न लुक लाना चाहते हैं तो एक अच्छा स्टैंडिंग लैम्प जरूर लगाएं। ये न सिर्फ लाइटिंग को बेहतर बनाता है बल्कि कमरे की शोभा भी बढ़ाता है। अगर आप किताबें पढ़ते हैं या घर से काम करते हैं, तो ये बेहद काम की चीज है।

वॉल आर्ट और फोटो फ्रेम से दीवारों को सजाएं

खाली दीवारें अक्सर उबाऊ लगती हैं। आप चाहें तो मोटिवेशनल कोट्स, सिंपल वॉल आर्ट या फिर अपनी यादों से भरे फोटो फ्रेम्स दीवारों पर लगा सकते हैं। इससे घर में पर्सनल टच आता है और हर दीवार एक कहानी कहने लगती है।

अरोमा डिफ्यूजर और कैंडल्स से महकाएं कमरा

कमरे की खुशबू उसका माहौल बदल सकती है। एक अच्छा अरोमा डिफ्यूजर आपके रूम को महकाने के साथ-साथ मन को भी शांत करता है। आप चाहें तो लैवेंडर, लेमन ग्रास या रोज फ्लेवर की कैंडल्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे कमरे में सुकून का एहसास होगा।

आपको अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए हजारों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ छोटे बदलाव और बजट-फ्रेंडली चीजों से भी आपका घर बिल्कुल इंस्टाग्राम जैसा दिख सकता है – क्लासी, शांत और आपके दिल के बेहद करीब।

रामायण के लिए रणबीर कपूर ने छोड़ दी इस दिग्गज सिंगर की बायोपिक

रणबीर कपूर इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण की तैयारियों में व्यस्त हैं। उन्हें जब यह फिल्म ऑफर हुई, उसी समय उनके पास दिवंगत सिंगर किशोर कुमार की बायोपिक का प्रस्ताव भी आया था। दोनों में से एक फिल्म को चुनना उनके लिए चुनौती थी। हालांकि, रणबीर ने किशोर कुमार की बायोपिक को छोड़कर रामायण साइन की। इसका खुलासा हाल ही में अनुराग बसु ने किया है।

मुश्किल था रणबीर के लिए यह फैसला

निर्देशक अनुराग बसु ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि रणबीर कपूर ने सिंगर की बायोपिक के बजाय रामायण को चुना। हालांकि, यह फैसला करना उनके लिए बहुत मुश्किल था। मगर, उन्होंने सही फैसला कर लिया। अनुराग बसु ने बातचीत के दौरान बताया कि शेड्यूल में टकराव के चलते रणबीर को दोनों प्रोजेक्ट्स यानी रामायण और किशोर कुमार की बायोपिक में से किसी एक को चुनना पड़ा। उन्होंने कहा, रणबीर के लिए यह जिंदगी में एक मुश्किल चुनाव था। किशोर कुमार की बायोपिक या रामायण। उनके लिए यह बहुत मुश्किल था। आखिरकार उन्होंने रामायण को चुना और मुझे लगता है कि यह सही फैसला था।

अनुराग बसु की इन फिल्मों में काम कर चुके हैं रणबीर

रणबीर कपूर और अनुराग बसु पहले भी कई बार साथ काम कर चुके हैं। इनमें बर्फी (2012) और जग्गा जासूस (2017) जैसी फिल्में शामिल हैं। हालांकि, दोनों ने फिर से साथ काम करने की इच्छा जताई। मगर, इस बार रणबीर कपूर के व्यस्त शेड्यूल के चलते ऐसा नहीं हो पाया। अनुराग बसु ने आगे कहा, हम साथ काम करने की कोशिश करते रहते हैं, लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है।

सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज होने पर खुशी से झूमीं मृणाल ठाकुर

बोलीं- इससे बेहतर जन्मदिन का तोहफा नहीं

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस खास मौके पर अभिनेत्री ने एक पोस्ट के जरिए बताया है कि उनके लिए ये जन्मदिन का सबसे खास तोहफा था। मृणाल अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं।

मृणाल ठाकुर ने किया पोस्ट

एक्ट्रेस के लिए ये दिन खास रहा क्योंकि फिल्म की रिलीज ठीक उनके जन्मदिन पर हुई। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं शेयर करते हुए लिखा कि इससे बेहतर तोहफा उन्हें नहीं मिल सकता था। फिल्म की स्क्रीनिंग पर उनके करीबी दोस्त, परिवार और टीम मेंबर्स मौजूद थे। सभी ने मिलकर इस दिन को यादगार बना दिया। एक्ट्रेस ने दर्शकों और टीम का आभार जताते हुए कहा कि ये जर्नी उनके लिए हमेशा खास रहेगी।

मृणाल ने पोस्ट में क्या लिखा?

एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा- मैं अपने जन्मदिन की शुरुआत इससे बेहतर तरीके से नहीं कर सकती थी। सन ऑफ सरदार 2 आखिरकार रिलीज हो गई है और इस खास मौके पर मेरे सभी अपने मेरे साथ थे। ये पल मेरे दिल के बहुत करीब रहेगा- हमेशा। ये फिल्म पागलपन, जादू और बेहद शानदार, प्यारी और टैलेंटेड टीम से भरी हुई है। और अब राबिया दुनिया के सामने है- मुझे उम्मीद है कि आप उसे उतना ही प्यार देंगे जितना मैंने किया और अपने दिलों में उसके लिए थोड़ी सी जगह भी बना पाएंगे। हर उस इंसान का तहे दिल से शुक्रिया, जो इस छोटी-सी यात्रा का हिस्सा बना।

सन ऑफ सरदार 2 में अजय देवगन एक बार फिर जस्सी रंधावा के किरदार में अपने देसी अंदाज और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के साथ लौटे हैं। उनके साथ मृणाल ठाकुर राबिया की भूमिका में नजर आईं।नीरू बाजवा डिंपल के रोल में और रवि किशन राजा के किरदार में दमदार नजर आए। फिल्म की सपोर्टिंग स्टारकास्ट में दीपक डोबरियाल (गुल), चंकी पांडे (दानिश), कुब्रा सैत (महविश), संजय मिश्रा (बंटू पांडे), अश्विनी कालसेकर (प्रेमलता), डॉली अहलूवालिया (बेबे), मुकुल देव (टोनी), विंदू दारा सिंह (टीटू), साहिल मेहता (गोग्गी), रोशनी वालिया (सबा) और शरत सक्सेना (रंजीत सिंह) शामिल हैं।

परम सुंदरी के परदेसिया पर बोले सचिन-जिगर

संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने अपकमिंग फिल्म 'परम सुंदरी' के गाने 'परदेसिया' पर बात की और कहा कि उनका मकसद एक ऐसा गाना बनाना था जो टाइमलेस हो यानि समय की बाधा से मुक्त हो, जिससे हर वर्ग और पीढ़ी इसे दिल की गहराइयों से स्वीकार कर सके। परम सुंदरी के परदेसिया गाने को फिल्ममेकर्स ने 30 जुलाई को रिलीज कर दिया है। सचिन-जिगर ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'परदेसिया' एक ऐसा गाना है जिसमें भावनाएं, आवाज और लेखन पूरी तरह एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हम चाहते थे कि यह गाना ऐसा हो जो नया होने के बावजूद लोगों के दिलों में बरसों से बसा हुआ लगे।

उन्होंने बताया कि गायक सोनू निगम की आवाज और उनके जन्मदिन पर गाने का रिलीज होना एक खास संयोग था। उन्होंने बताया, सोनू जी की आवाज में एक दर्द के साथ गहराई भी है। कृष्णकली की आवाज ने गाने को और भी आकर्षण देने का काम किया है। तीनों आवाजों का मेल इस गाने को और भी खास बनाता है। उन्होंने गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य की तारीफ करते हुए कहा, उनके शब्द भावनाओं को खूबसूरती से पेश करते हैं। वह शब्दों को नहीं, भावनाओं को लिखते हैं। रोमांस सिनेमा में वापसी कर रहा है और 'परदेसिया' के जरिए हम प्यार के साथ स्लो डांस को फिर से लेकर आए हैं।

अभिषेक बच्चन की स्ट्रीमिंग में सफलता और स्मार्ट चुनाव

ऐसे इंडस्ट्री में जहाँ अटेन्शन क्षण भर के लिए होता है और डिजिटल दर्शकों को खुश करना बेहद कठिन माना जाता है, अभिषेक बच्चन उन गिने-चुने अभिनेताओं में से हैं जिन्होंने न केवल ओटीटी के दौर में खुद को बनाए रखा है, बल्कि इस माध्यम को बखूबी साधा भी है। हाल ही में विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर उनके एक से बढ़कर एक प्रभावशाली प्रदर्शन यह साबित कर रहे हैं कि आज की सफलता शोर मचाने में नहीं, बल्कि सही चुनाव करने में है। चाहे वह तीखी व्यंग्यात्मक फिल्म हो, भावनात्मक ड्रामा हो या फिर दिल को छू लेने वाली हल्की-फुल्की कहानी- अभिषेक ने ऐसी कहानियों के साथ तालमेल बिठाया है जो दिल को छूती हैं और ऐसे किरदार निभाए हैं जो सीमाओं को चुनौती देते हैं। उदाहरण के लिए, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो की हिट फिल्म बी हैप्पी को ही ले लीजिए, जो रिलीज़ होते ही नंबर 1 पर ट्रेंड करने लगी। इस फिल्म की गर्मजोशी, हास्य और रिलैटेबिलिटी ने हर उम्र वर्गों के लोगों को प्रभावित किया, और कई लोगों ने इसे साल की सबसे सुकून देने वाली फिल्मों में से एक बताया। इससे पहले नेटफ्लिक्स पर आई वांट टू टॉक आई थी, जो न केवल स्ट्रीमिंग पर सफल रही, बल्कि हर जगह चर्चा का विषय बन गई, और अभिषेक को उनके बहुस्तरीय, संयमित अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले। शिक्षा व्यवस्था पर आधारित सामाजिक कॉमेडी दसवी नेटफ्लिक्स इंडिया के चार्ट में टॉप पर पहुँच गई और अपने तीखे संदेश और कॉमिक टाइमिंग के लिए जानी गई। वहीं कालीधार लापता ने उनकी डिजिटल जर्नी को एक और बेहतरीन और समीक्षकों द्वारा सराही गई भूमिका के साथ पूरा किया, जो दिखाता है कि वह किस तरह से सहजता से विभिन्न शैलियों और माध्यमों के बीच बदलाव करते हैं।

बॉलीवुड के बाद अब तेलुगु सीरीज में नजर आएंगी दिव्या दत्ता

मशहूर अभिनेत्री दिव्या दत्ता बॉलीवुड फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों को दीवाना बनाने के बाद अब तेलुगु मनोरंजन जगत में भी जलवा बिखेरने को तैयार हैं। एक्ट्रेस मायासभा नाम के वेब सीरीज से तेलुगु इंडस्ट्री में कदम रख रही हैं, जिसका ट्रेलर भी गुरुवार को रिलीज कर दिया गया।

एक्ट्रेस ने शेयर किया पोस्ट

दिव्या दत्ता ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी तेलुगु वेब सीरीज मायासभा का ट्रेलर शेयर किया। इस ट्रेलर में एक्ट्रेस राजनेता के रूप में नजर आ रही हैं और उनकी प्रेजेंस ने सीरीज में जान डालने का काम किया है। इस ट्रेलर को शेयर करते हुए दिव्या दत्ता ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसी कहानी, जिसने राज्य की किस्मत बदल दी।'

लंबे समय से तेलुगु सिनेमा में आना चाहती थीं एक्ट्रेस

बातचीत में दिव्या दत्ता ने कहा, 'पहली बार हमेशा खास होता है और मैं लंबे समय से तेलुगु सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थी। बॉलीवुड और साउथ फिल्मों के बीच बढ़ते तालमेल के साथ मुझे इस शो के साथ शुरुआत करने पर गर्व है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी आगामी सीरीज बहुत ही शानदार होने वाली है। उन्होंने अपने निर्देशक और क्रू मेंबर्स का धन्यवाद किया है, जिनके कारण वह तेलुगु में डेब्यू कर रही हैं।

मजबूत महिला किरदार निभाना पसंद है

अभिनेत्री परिणीता बोरठाकुर जल्द ही जी टीवी के लोकप्रिय शो वसुधा में खास किरदार में नजर आएंगी। नई और प्रभावशाली भूमिका निभाने के लिए तैयार अभिनेत्री ने बताया कि शो में उनके किरदार का नाम चंद्रिका सिंह चौहान है, जो एक परिवार मुखिया का सशक्त और दमदार किरदार है।

परिणीता ने बताया कि किसी चल रहे शो में बीच में किसी किरदार को निभाना अपने आप में कई चुनौतियां लेकर आता है, लेकिन वह इसे एक बड़े अवसर के रूप में देखती हैं।

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें मजबूत महिला किरदारों वाली कहानियां पसंद हैं।

परिणीता ने अपने किरदार के बारे में बताया, वासुधा जैसे शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत रोमांचक है। यह शो पहले से ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय है और हाल ही में टीवी इंडस्ट्री के टॉप 10 शोज में शामिल हुआ है। बीच में किसी किरदार को अपनाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मैं इसे एक अवसर के रूप में देखती हूं, जिसके जरिए मैं एक ऐसी कहानी का हिस्सा बन सकती हूं, जो पहले से ही लाखों लोगों के दिलों को छू चुकी है। उन्होंने आगे कहा, मुझे हमेशा से गहरी भावनाओं और मजबूत महिला किरदारों वाली कहानियां पसंद रही हैं। चंद्रिका के किरदार के बारे में जानते ही मुझे उससे तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ। वह एक ऐसी महिला है जो शांत, दमदार और दृढ़ विश्वास के साथ परिवार का नेतृत्व करती है। मैं इस किरदार में अपनी शैली लाने की कोशिश करूंगी, साथ ही उस मूल भावना को बनाए रखूंगी, जिसे दर्शकों ने पसंद किया है।

वसुधा की कहानी में करिश्मा और मेघा की साजिशों के बीच चंद्रिका एक स्थिर और मजबूत किरदार के रूप में उभरती है, जो अनुशासन और गरिमा के साथ परिवार को संभालती है।

परिणीता ने कहा, चंद्रिका का किरदार भावनात्मक मुश्किलों और सिद्धांतों से भरा है। इसे निभाना मेरे करियर का सबसे रचनात्मक अनुभव रहा है। मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शक मेरे इस किरदार को अपनाएंगे। पहले इस किरदार को नौशीन अली सरदार ने निभाया था। निर्माता अरविंद बब्बल ने बताया, नौशीन ने चंद्रिका के किरदार को बहुत खूबसूरती और गरिमा के साथ निभाया। हम उनके योगदान के लिए आभारी हैं। अब परिणीता बोरठाकुर का स्वागत करते हुए हमें खुशी है। वह एक संवेदनशील और प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, जिन्होंने चंद्रिका के व्यक्तित्व को गहराई से समझा है।

सफलता बहुत से एक्टर्स को पैरालाइज कर देती है, यहां खुद को बचा लेना सबसे बड़ी उपलब्धि

गुलाल, चमेली, हासिल और अतरंगी रे जैसी दर्जनों फिल्में कर चुके एक्टर पंकज झा ने वेब सीरीज पंचायत के विधायक चंद्रकिशोर सिंह के रूप में अपनी एक्टिंग का सिक्का जमा दिया। इन दिनों वह अपनी नई वेब सीरीज सरपंच साहब के लिए चर्चा में हैं, जिसे लेकर हुई खास बातचीत के दौरान उनके व्यक्तित्व के कई अनछुए पहलुओं के बारे में रोचक खुलासे हुए।

साइडलाइन हो रहे हाइब्रिड एक्टर

अपनी जिंदगी को एक अलग ही दर्शन से जीने वाले पंकज झा पंचायत के विधायक चंद्रकिशोर सिंह के बाद वेब सीरीज सरपंच साहब में भी नेता त्रिवेणी सिंह की भूमिका में नजर आए। ऐसे में, कहीं इंडस्ट्री के आम चलन के मुताबिक, वह भी नेता के रोल में दोहराव या टाइप कास्टिंग के शिकार तो नहीं हो रहे? इस सवाल पर वह कहते हैं, नहीं, मेरे साथ ऐसा कुछ नहीं हो रहा है, क्योंकि मैं किसी इंडस्ट्री से बिलॉन्ग ही नहीं करता हूं। मेरी अपनी खुद की इंडस्ट्री है। मैं यह सब रंग अपने ऊपर नहीं चढ़ने देता हूं। मेरी अभी किताब आई है- अज्ञात से ज्ञात की ओर, जो मैंने अमिताभ बच्चन जी को गिफ्ट की। उन्होंने मेरी कविता ट्वीट भी की, तो लोग मुझे लेखक भी बोलते हैं।

मैं कोई आज का एक्टर तो हूं नहीं

पुणे में मेरा अपना स्टूडियो है। जहांगीर आर्ट गैलरी में मेरी चित्रों की प्रदर्शनी लगी तो लोग मुझे पेंटर भी बोलते हैं, ऐसे में मैं इस बात की क्या फिक्र करूंगा कि लोग मुझे नेता के रोल में देख रहे हैं। मैं कोई आज का एक्टर तो हूं नहीं। मेरी पूरी जर्नी है। मैं एनएसडी रेपेट्री में था। फिर मीरा नायर, राम गोपाल वर्मा वगैरह के साथ मैंने गुलाल, ब्लैक फ्राइडे, चमेली जैसी 50 से ऊपर फिल्में की हैं। मैंने अपने ऊपर काम किया है। ओशो की थेरेपी, ध्यान-मेडिटेशन में खुद को लगाया है।

मैं जब अभिनय करता हूं तो उस पात्र को जीता हूं

पंकज झा ने आगे बताया, एक्टिंग की बारीकियां, एक्टिंग क्या होता है, एनर्जी कैसे वर्क करती है? इन चीजों पर मैंने बहुत काम किया है। ओशो ने कहा था कि जीवन ऐसे जियो, जैसे अभिनय कर रहे हो और अभिनय ऐसे करो, जैसे जीवन जी रहे हो। मेरी यही फिलॉसफी है। मैं जब अभिनय करता हूं तो उस पात्र को जीता हूं, वही जिंदापन लोगों को छूता है, क्योंकि अब फेक, झूठी फिल्में, जिनका रिएलिटी से कोई वास्ता नहीं है, उसे लोग नहीं देख रहे हैं। इसलिए जो हाइब्रिड वाले एक्टर हैं, वो साइडलाइन हो रहे हैं। त्रिवेणी सिंह नेता है, मगर बहुत प्यार किरदार है, जो पूरे गांव को जागरूक करता है।

जिसके पास जितना वक्त, वो उतना धनी

पंकज अपनी जिंदगी का मकसद लोगों को अपने अर्जित ज्ञान को लौटाना मानते हैं। बकौल पंकज झा, मेरे गुरु ने कहा था कि उनका ऋण आप एक ही शर्त पर चुका सकते हैं कि गुरु से जो भी मिला है वो दुनिया को बांट दो। इसलिए, मैं अपने शब्दों, अपनी लेखनी, अपनी चित्रों के जरिए उसे लौटाने की कोशिश करता हूं। उन्होंने हमें मौत को आगे करके जीना सिखाया है कि हम कभी भी इस दुनिया से जा सकते हैं। हम सब यहां मेहमान हैं, तो जब तक हो, अच्छे से रहो।

मेरे लिए सफलता का मापदंड यह है कि आप आज में कितने जिंदा हैं

हर रोज आसपास के लोग दुनिया से जा रहे हैं। जब एक बार आपको यह अहसास हो जाएगा कि ये दुनिया आपका घर नहीं है तो आपकी जिंदगी से तनाव, भविष्य की चिंता, दिखावा, बेईमानी, ये सब खत्म हो जाएगी। आप जिंदगी को जीने लगेंगे कि अरे, इतनी सुंदर जिंदगी है और हम किन चीजों में उलझे हुए हैं। मैं दुनिया में उसको धनी मानता हूं, जिसके पास खुद के लिए समय है। मेरे लिए सफलता का मापदंड यह है कि आप आज में कितने जिंदा हैं। जैसे, मेरा कोई अतीत नहीं है, इसलिए मेरा कोई भविष्य भी नहीं है। मैं इस पल में जीता हूं।

नोएडा एयरपोर्ट का निर्माण समय पर पूरा करें : मेधा

निर्माण कार्यों का डीएम ने किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मेधा रूपम ने आज जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सभागार में निर्माण कंपनी एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण कार्यों की वर्तमान प्रगति की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान अपर जिलाधिकारी भू0/अ0 राजेश कुमार, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, एसीपी जेवर सार्थक सेंगर, तहसीलदार जेवर ओमप्रकाश पासवान, जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्रेलमैन, सीओओ किरन जैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्रेलमैन ने पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से जिलाधिकारी को रनवे, टर्मिनल भवन सहित अन्य बुनियादी ढांचे की प्रगति से अवगत कराया गया।

जिलाधिकारी ने बैठक करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शेष निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है और इसकी प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

समीक्षा बैठक के उपरांत जिलाधिकारी ने कमांड सेंटर, टर्मिनल भवन एवं अन्य निर्माणाधीन स्थलों का भी स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने एयरपोर्ट निर्माण कार्यों में गति लाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जेवर एयरपोर्ट जाने वाले रास्ते पर न लगे जाम

मुख्यमंत्री के सामने सांसद डॉ. महेश शर्मा ने रखे अहम प्रस्ताव

मेरठ (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने जेवर एयरपोर्ट के शुरू हो जाने के बाद ट्रैफिक जाम की स्थिति से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने कुछ महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे हैं। सांसद ने इस बात पर चिंता जताई है कि जेवर एयरपोर्ट जाने वाले रास्ते पर अगर यातायात जाम हुआ तो लोग दिल्ली एयरपोर्ट का ज्यादा विकल्प चुनेंगे।

पिछले दिनों मेरठ में मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान ऊर्जा भवन सभागार में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मेरठ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र की कुछ प्रमुख समस्याओं के निराकरण के लिए सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र के माध्यम से अवगत कराया।

बैठक के दौरान सांसद एवं पूर्व मंत्री भारत सरकार डॉ. महेश शर्मा ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को विस्तार से प्रस्तुत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रशासनिक मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से प्रदेश में कानून व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है, जिससे सामान्य नागरिकों एवं उद्योग /व्यापार जगत को सुरक्षा की भावना प्राप्त हुई है।

डॉ. शर्मा ने बताया कि आगामी नवम्बर माह में प्रस्तावित जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन के पश्चात क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। इस समस्या को दूर करने के लिए नोएडा के प्रवेश द्वार से जेवर एयरपोर्ट की दूरी लगभग 55 किमी है, जबकि दिल्ली एयरपोर्ट केवल 23 किमी है। वर्तमान में महामाया फ्लाईओवर तक निरंतर ट्रैफिक जाम की स्थिति रहती है, जो भविष्य में और विकराल हो सकती है। यदि यात्रियों को अधिक समय लगने लगेगा, तो वे दिल्ली एयरपोर्ट का विकल्प चुन सकते हैं। इस लिए इस सड़क को चौड़ा करने की जरूरत व दो फुटओवर ब्रिज

जो बने हैं, उनका उपयोग नही हो पा रहा है।

चिल्ला रेगुलेटर से महामाया फ्लाईओवर तक एलीवेटेड रोड का निर्माण कार्य पिछले समय से धीमी गति से चल रहा है जिसको शीघ्र पूर्ण किया जाए।

कालिंदी कुंज से परी चौक (जीरो प्वाइंट) तक पुश्ता पर एलीवेटेड रोड के निर्माण के लिए एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) द्वारा परियोजना को शुरू किया जाए। इस विषय में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से चर्चा की गई, जिनका कहना था कि परियोजना को प्रारंभ करने के लिए सिंचाई विभाग की अनुमति एवं उत्तर प्रदेश सरकार का प्रशासनिक आदेश आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने इन सभी विषयों को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित करने का आश्वासन दिया।

ग्राम विकास ही समृद्ध भारत की कुंजी है : पंकज सिंह

नोएडा के विधायक ने तीन गाँवों में लगाई चौपाल, सुनी समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने जनसुनवाई एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए नोएडा के ग्रामीण क्षेत्रों में जन-संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों की समस्याएं सुनी।

कार्यक्रम का आयोजन परथला खंजरपुर (सरकारी स्कूल के पास), मामूरा (बारात घर) एवं मोरना सेक्टर-35 (बारात घर) में किया गया।

पंकज सिंह ने कहा कि ग्राम विकास ही सशक्त एवं समृद्ध भारत की नींव है। जनसंख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है, ऐसे में गांवों एवं शहरी क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाओं जैसे सड़क, सीवर, जल आपूर्ति एवं शिक्षा को आधुनिक और बेहतर बनाना समय की मांग है। भाजपा सरकार इस दिशा में निरंतर कार्यरत है।

पंकज सिंह ने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और संबंधित प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मुद्दों का त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों का दौरा कर छात्रों से संवाद किया तथा शिक्षा व्यवस्था को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से नवीन कक्षाओं के शीघ्र निर्माण का आदेश दिया। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गांवों में सड़क, सीवर और पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुधारा जाए।

इस अवसर पर भाजपा नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष महेश चौहान, अमित त्यागी, रघुराज नंबरदार, महिपाल प्रधान चौधरी लेखराज नंबरदार पंडित, ओमवीर अवाना, अर्पित मिश्रा, रवि यादव, त्रिलोक चंद्र शर्मा, ज्ञानचंद शर्मा, चौधरी रामवीर हवलदार रामनिवास प्रधान, रिशिपाल, भूपेश चौधरी बलराज, धर्मवीर जाटव, वीरपाल प्रजापति के अलावा नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक सिविल ए.के. अरोड़ा, जल एवं सीवर विभाग के महा प्रबंधक आर.पी. सिंह, डीजीएम विजय रावल, जनस्वास्थ्य के वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल आदि कई अधिकारी मौजूद थे।

3000 फीट लंबी तिरंगा यात्रा को भव्य बनाने की तैयारी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के युवा समाजसेवियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गौतमबुद्धनगर की जिलाधिकारी श्रीमती मेघा रूपम से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्हें आगामी 15 अगस्त को आयोजित होने वाली 3000 फीट लंबी भव्य तिरंगा यात्रा के आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने इस राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की और आयोजन में सम्मिलित होने की सहमति प्रदान की। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तिरंगा यात्रा को भव्य, गरिमामय और ऐतिहासिक रूप देने के लिए पूर्ण सहयोग करें।

इस प्रतिनिधिमंडल में नव ऊर्जा युवा संस्था के राजेश शर्मा (वरिष्ठ समाजसेवी), अधिवक्ता अंकुश शर्मा, देवराज शर्मा एवं पुष्कर शर्मा आदि मौजूद थे।

तीन चरणों में आयोजित होगा 'हर घर तिरंगा' अभियान : मेधा रूपम

नोएडा (चेतना मंच)। 2 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक तीन चरणों में आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम अभियान-2025' को लेकर जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इस कार्यक्रम को जनभागीदारी के व्यापक आंदोलन के रूप में सफल बनाया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम से जुड़ी सभी तैयारियाँ समयबद्ध और सुनियोजित ढंग से पूरी की जाएं।

जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान-2025 तीन चरणों में मनाया जा रहा है, जिसमें प्रथम चरण 02 अगस्त से 8 अगस्त 2025 तक, द्वितीय चरण 9 अगस्त से 12 अगस्त 2025 तक 13 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक तृतीय चरण आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के दौरान स्कूलों की दीवारों और बोर्ड को तिरंगे से प्रेरित कला से सजाना, संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई प्रदर्शनियों का मुख्य कार्यक्रमों के दौरान एवं शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी भवन आदि चिन्हित स्थानों पर प्रदर्शन करना, स्कूल कॉलेजों, सार्वजनिक स्थान आदि पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित करना, तिरंगा राखी बनाने की कार्यशालाएं और प्रतियोगिता आयोजित करना तथा सैनिकों और पुलिस कर्मियों को आभार पत्र लिखकर डाक विभाग के समन्वय से राखियां भेजना, सार्वजनिक स्थानों/बाजारों को तिरंगा रंगों को प्रदर्शित करने के लिए तिरंगे धागे युक्त तिरंगा बुनाई और धागे की गतिविधि का आयोजन करना आदि गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में तिरंगा महोत्सव के रूप में एक बड़ा आयोजन किया जाएगा, जिसमें एक ही दिन वृहद तिरंगा मेला और भव्य तिरंगा म्यूजिकल कंसर्ट आयोजित किया जाना है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ शिवाकांत द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा नेताओं ने मनाई जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी नेता व विचारक जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती सेक्टर 33 स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में मनाई गई। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का भी

आयोजन किया गया जिसमें सपाईयों ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम में उपस्थित समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा कि छोटे लोहिया के नाम से मशहूर जनेश्वर मिश्र शोषित, वंचित पीड़ितों की आवाज के साथ समाजवादी विचारधारा के प्रखर वक्ता थे। उन्होंने सदैव शोषित व वंचित वर्ग के लिए आवाज बुलंद की।

प्रदेश सचिव सुनील चौधरी ने कहा कि जनेश्वर मिश्र का व्यक्तित्व विराट था। वे डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के विचारों के ध्वजवाहक थे ऐसा व्यक्तित्व कभी मरता नहीं है।

प्रदेश सचिव भरत प्रधान ने कहा कि जनेश्वर मिश्र मन वचन और आचरण से पूरे समाजवादी थे। कार्यकर्ताओं को उनके बताए रास्ते पर चलकर पार्टी को मजबूत बनाने में अपना योगदान देना चाहिए।

सपा के वरिष्ठ नेता विष्णु यादव ने कहा कि जनेश्वर मिश्र का व्यक्तित्व इतना प्रभावशाली था कि जो उनसे मिलता था वह उन्हें कभी नहीं भूल पाता था। सभा का संचालन महासचिव विकास यादव ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में महासचिव विकास यादव,शालिनी खारी, वीरपाल प्रधान, विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान, श्रीपाल प्रधान,मुकेश प्रधान, मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव, राघवेंद्र दुबे ,कुलदीप शर्मा, लखन यादव ,मुकेश यादव,बाबा जयवीर, मनोज गोयल, बबली शर्मा, महकार तंवर, अमित भाटी, मुन्ना आलम, अनुराग यादव ,टीटू यादव , बाबूलाल बंसल,रोहित यादव , देवेंद्र, गौरव सिंघल, सतवीर यादव, अमित यादव, रामवीर यादव, , राम सहेली, लोकेश यादव, चिंटू त्यागी, मानसिंह, हरपाल सिंह, उदय सिंह, सुमित अंबावत, कवित गुर्जर,मनोज गौतम, अमित बसोया, विपिन चौहान ,कृपा शंकर यादव, गुलजार अल्वी, रोहित यादव, सौरभ चौहान, शिवकुमार यादव, चिराग पंडित, बिल्लू सैफी, कृष्ण कुमार कमल, नेहा पांडे, विमला, गीता, रेखा, अशोक कुमार, आसिफ अंसारी, दीपक कुमार, मनीष शर्मा, सरफराज अहमद, अमन, महेश कुमार, नितिन वाल्मीकि, जाहिद, रंजीत पटेल, वीरेंद्र सिंह, सुल्तान,सिकंदर पासवान, मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सफाई के लिए 10 क्विक रेस्पोंस टीमें ग्रेनो में तैनात

स्वच्छता के लिए ग्रेनो प्राधिकरण की बड़ी पहल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा की साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए प्राधिकरण ने बड़ी पहल की है। सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने 10 क्विक रेस्पोंस टीम (क्यूआरटी) गठित कर दिया है। इन टीम ने मंगलवार से काम भी शुरू कर दिया है। क्यूआरटी उन जगहों पर काम करेगी, जहां पर वर्तमान व्यवस्था के अंतर्गत सफाई नहीं हो पा रही। इमरजेंसी में किसी जगह सफाई की आवश्यकता पड़ने पर भी क्यूआरटी तैनात की जाएंगी। इन पर निगरानी के लिए चार सदस्यीय समिति भी गठित कर दी गई है। क्यूआरटी में वाहनों पर लगे जीपीएस के जरिए रियल टाइम मॉनिटरिंग भी होगी, जिसके लिए जल्द ही कंट्रोल रूम भी बनाया जाएगा। गंदगी फैलाने वालों पर क्यूआरटी की टीम जुर्माना भी लगाएगी।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा को साफ-सुथरा शहर बनाने के लिए प्राधिकरण की तरफ से कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। सभी तरह के वेस्ट को प्रोसेस करने के लिए सीईओ एनजी रवि कुमार की पहल पर प्लांट बन रहे हैं। ग्रेनोवासियों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है। सीईओ एनजी रवि कुमार की पहल पर प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत क्यूआरटी का गठन किया गया है। महाप्रबंधक आरके भारती ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में फिलहाल 10 क्विक रेस्पोंस टीमें बनाई गई हैं। यह प्रयोग सफल रहा तो जरूरत के अनुसार इनकी संख्या और बढ़ा दी जाएंगी। एक क्यूआरटी टीम को एक कूड़ा गाड़ी, दो कूड़ा गाडियों पर एक जेसीबी मशीन साथ रहेगी। सूचना के आधार पर जहां पर भी अधिक कूड़ा होगा वहां एक कूड़ा मशीन के साथ जेसीबी मशीन भेजी जाएगी। एक क्यूआरटी पर तैनात पांचों सफाई कर्मचारियों को विशेष प्रकार की जैकेट दी गई है। जैकेट पर उसी क्यूआरटी का नंबर लिखा होगा, ताकि सफाई कर्मचारी की तैनाती में असंमजस न हो। कूड़ा गाड़ी

गंदगी फैलाने पर 50 हजार का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एरिया में ट्रैक्टर-ट्रॉली या किसी अन्य प्रकार के वाहन से इधर-उधर कूड़ा फेंकने वालों पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया जाएगा।

पर भी उसकी संबंधित क्यूआरटी टीम का नंबर लिखा होगा, ताकि एक सफाई कर्मचारी सिर्फ उसी क्यूआरटी पर डयूटी करेगा, जिसमें उसको तैनात किया गया है। जैकेट पर लिखे नंबर के जरिए सफाई कर्मचारी की क्यूआरटी के बारे में आसानी से पता चल सकेगा। क्यूआरटी टीमें सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक क्षेत्र में सक्रिय रहेंगी।

आरके भारती ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने भी कुछ एरिया चिंहित कर रखा है, जहां पर सफाई के लिए क्यूआरटी को लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त अगर कहीं पर स्वास्थ्य विभाग की टीम को गंदगी की शिकायत मिलती है तो क्यूआरटी कंट्रोल कमेटी इनको वहां भेजेगी। क्यूआरटी टीम मौके पर पहुंचकर कूड़ा का निस्तारण करेगी और गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना भी लगाएगी। सॉलिड वेस्ट रूल्स, सी एंड डी व अन्य तरह के वेस्ट के लिए बने नियमों का अनुपालन न करने वालों पर कार्रवाई भी करेगी। क्यूआरटी कंट्रोल कमेटी के अध्यक्ष जीएम आर के भारती होंगे। वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार गौतम, मैनेजर बिजेन्द्र कुशवाहा और सहायक प्रबंधक मनोज कुमार चौधरी इस समिति के सदस्य होंगे। इस कमेटी के आदेश पर ही क्यूआरटी को भेजा जाएगा। जिस क्षेत्र में क्यूआरटी टीमें कूड़ा निस्तारण के लिए जाएंगी, वहां उस एरिया का सेनेट्री इंस्पेक्टर भी मौजूद होगा। शहर में सक्रिय क्यूआरटी टीमों की निगरानी के लिए जल्द ही क्यूआरटी कंट्रोल रूम भी बनाया जाएगा। वाहनों में लगे जीपीएस के माध्यम से रियल टाइम मॉनिटरिंग में मदद मिलेगी। कंट्रोल रूम में तैनात विशेषज्ञ टीम क्यूआरटी में शामिल कूड़ा गाड़ी में लगे जीपीएस की मदद से इनकी करंट व लाइव लोकेशन के बारे में पता लगाएगी। बता दें, कि शहर की साफ सफाई की पूर्ववर्ती व्यवस्था भी लागू रहेगी। क्यूआरटी व्यवस्था इसके समानान्तर चलेगी। मंगलवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के गेट से इनकी रवानगी की गई।

एसीईओ का बयान

ग्रेटर नोएडा की सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए क्यूआरटी की 10 टीमें बनाई गई हैं। यह प्रयोग सफल रहा तो टीमें बढ़ाई जा सकती हैं। उम्मीद है कि इससे सफाई व्यवस्था और बेहतर करने में मदद मिलेगी। सभी बल्क वेस्ट जनरेटरों से कूड़े का उचित प्रबंधन करने, निवासियों से इधर-उधर कूड़ा न फेंकने और ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ शहर बनाने में सहयोग की अपेक्षा है। इधर-उधर गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण